Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 308 | शुक्रवार, 13 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे में भीषण आग

एक परिवार के 4 सदस्यों की मौत; 24 घर जलकर खाक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क





नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिले में स्थित पारसी पारलो में गुरुवार तड़के लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचा दी। इस दर्दनाक अग्निकांड में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 घर जलकर पूरी तरह राख हो गए। आग की इस भयावह घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। आग की चपेट में आने से कई परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है और अनेक लोगों के सामने रहने तथा अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई है। तड़के लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि 20 घर जलकर राख हो गए। इस घटना में चार लोगों की मौत की पुष्टि होने से स्थानीय लोगों में गहरा दुख व्याप्त है। किसी भी परिवार के लिए अपने सदस्यों को खोना सबसे बड़ी पीड़ा होती है, वहीं घर और जीवनभर की जमा पूंजी का नष्ट हो जाना प्रभावित परिवारों के लिए इस दुख को और भी असहनीय बना देता है। इस अग्निकांड ने अनेक परिवारों को अचानक ऐसी परिस्थितियों में ला खड़ा किया है, जहां उन्हें नए सिरे से अपना जीवन व्यवस्थित करने की जरूरत होगी। 21-कोलोरियांग विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक पानी तारम ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। उनके द्वारा घटना की पुष्टि किए जाने के बाद अग्निकांड की गंभीरता और इससे हुई जनहानि का मामला सामने आया है।

चार लोगों की मौत और 20 घरों के जलकर नष्ट होने की जानकारी ने इस घटना को बेहद गंभीर बना दिया है। हादसे के बाद प्रभावित लोगों की सहायता, राहत व्यवस्था और नुकसान से उबरने के प्रयासों को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और तत्काल राहत कार्य शुरू करने की मांग की है। रिजिजू ने इस त्रासदी को बेहद हृदयविदारक बताते हुए कहा कि जिन परिवारों ने अपने घर खो दिए हैं, वे इस समय भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। ऐसे समय में प्रभावित लोगों को केवल सांत्वना देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें समय पर आवश्यक सहायता और राहत उपलब्ध कराना भी बेहद जरूरी है। एक्स पर एक पोस्ट में रिजिजू ने कहा, 'कुरंग कुमे जिले के पारसी-पारलो सर्कल में लगी भीषण आग दिल दहला देने वाली है। मेरी संवेदनाएं इस त्रासदी से प्रभावित हर परिवार के साथ हैं; इनमें से कई लोगों ने अपने घर खो दिए हैं और वे भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।' उन्होंने अपने संदेश में उन परिवारों की पीड़ा को भी प्रमुखता से व्यक्त किया, जिन्होंने इस हादसे में अपने घर और अपनों को खोया है।

दीवाली मिलन में पीएम मोदी का बड़ा संदेश

विकसित भारत के लक्ष्य के लिए 2047 की 'डेडलाइन' पर चल रहा है देश: पीएम मोदी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित पारंपरिक 'दीवाली मिलन' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया कर्मियों से खुलकर बातचीत की, पत्रकारिता और राजनीतिक संचार में पिछले कुछ दशकों में आए भारी बदलावों पर चर्चा की तथा देश के विकास के भविष्य पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने अपने राजनीतिक जीवन के शुरूआती दिनों से जुड़े कई संस्मरण भी याद किए। बीजेपी में अपने शुरूआती दिनों को याद करते हुए, मोदी ने 1990 के दशक का एक किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे अचानक पत्रकारों का एक समूह पार्टी कार्यालय में उनके कमरे में आ धमका और उनसे कहा कि वे गुजरात के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मीडिया और राजनीतिक संचार में आए बदलावों पर भी बात की-फैक्स मशीनों और प्रेस रिलीज के दौर से लेकर आज के इंस्टाग्राम रील्स के युग तक।

मोदी ने याद किया कि कैसे पत्रकारों ने उनके गुजरात के मुख्यमंत्री बनने की भविष्यवाणी कर दी थी

11 अशोक रोड स्थित बीजेपी मुख्यालय के दिनों को याद करते हुए, मोदी ने बताया कि 1990 के दशक की शुरूआत में दो बड़ी देशव्यापी यात्राओं के दौरान उन्हें व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने बताया कि उस समय संचार का तरीका बिल्कुल अलग था; एक प्रेस रिलीज भेजने के लिए भी फैक्स मशीन की जरूरत पड़ती थी।

'अचानक हमला और तकनीकी मदद'

राजनाथ सिंह ने बताया सैन्य तैयारियों को लेकर भारत का फ्यूचर प्लान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। दुश्मन को आश्चर्यचकित कर देने वाली कार्रवाई, किसी अप्रत्याशित कदम से निपटने की तैयारी भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहद जरूरी हैं। आधुनिक युद्ध में इसी रणनीति को अहम बताते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय वायुसेना को अपनी आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं को लगातार मजबूत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध केवल लड़ाकू विमानों की संख्या से नहीं, बल्कि तकनीकी श्रेष्ठता, तेजी से जवाब देने की क्षमता और सटीक तैयारी से जीते जाएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 12 नवंबर को नई दिल्ली में वायुसेना कमांडर्स कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि बदलती युद्ध परिस्थितियों में अचानक हमले की क्षमता और दुश्मन के किसी अप्रत्याशित कदम से निपटने की तैयारी, दोनों बेहद जरूरी हैं। इस दौरान उन्होंने वायुसेना की डिजिटल और तकनीकी क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए उसके द्वारा विकसित एआई आधारित कई नए अनुप्रयोगों की भी शुरूआत की। रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब लड़ाई केवल पारंपरिक युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि मिसाइलों, ड्रोन और अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों के जरिए युद्ध के नए तरीके सामने आ रहे हैं। रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास संघर्षों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन युद्धों में ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियां बेहद महत्वपूर्ण साबित हुई हैं। ऐसे में भारतीय वायुसेना को आत्मघाती ड्रोन, निगरानी और ड्रोन रोधी अभियानों जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि वायुसेना को इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों के लिए भी विशेष रणनीति और मजबूत व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। इन क्षेत्रों में तैयारी भविष्य की चुनौतियों से निपटने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। उन्होंने कमांडरों से इन नई तकनीकों को वायुसेना की योजना, प्रशिक्षण और सैन्य अभियानों का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि वायुसेना ने इस अभियान में अपने सिद्धांतों और सैन्य रणनीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया। उन्होंने कहा वायु योद्धाओं ने अपने निर्धारित कार्यों को पेशेवर तरीके से पूरा करते हुए संयम और सूझबूझ का परिचय दिया।

अब दावे नहीं चलेंगे, महंगाई पर प्रभावी अंकुश लगाए सरकार: कांग्रेस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है और दूध, खाद्य वस्तुओं तथा रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों के दाम आसमान छूने से गरीब और मध्यम वर्ग का घरेलू बजट बिगड़ गया है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि दूध, चावल, आटा, दाल, खाद्य तेल, प्याज, आलू, टमाटर, चीनी और घी समेत जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज अमूल और मदर डेयरी ने भी एक बार फिर दूध के दाम बढ़ा दिये हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली के बाद हिन्दुस्तान यूनिलीवर जैसे बड़े ब्रांडों ने डिटर्जेंट और होम केयर उत्पादों के दाम 11 प्रतिशत तक बढ़ा दिये हैं। सर्फ एक्सेल, रिन, व्हील और मोती गुलाब साबुन जैसी रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतें बढ़ने से आम आदमी पर बोझ बढ़ रहा है। श्री रमेश ने कहा कि सरकार एक ओर देश में चीनी का उत्पादन चार गुना तक बढ़ने और 36 लाख टन पुराना स्टॉक मौजूद होने का दावा करती है। दालों के मामले में भी सरकार पर्याप्त उत्पादन और उपलब्धता के दावे करती है। ऐसे में सवाल है कि यदि चीनी और दालों का पर्याप्त उत्पादन तथा स्टॉक मौजूद है तो आम जनता को महंगाई से राहत क्यों नहीं मिल रही है। उन्होंने पेट्रोल में ई-20 ईंधन के इस्तेमाल का मुद्दा उठाया और कहा कि देश की जनता को बढ़ती महंगाई और मिलावटी पेट्रोल की दोहरी मार क्यों झेलनी पड़ रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जनता को सरकारी दावे और नीतियों के वादे नहीं, बल्कि महंगाई पर प्रभावी अंकुश चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को महंगाई रोकने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

यूपी में नया गठबंधन, चंद्रशेखर-ओवैसी ने मिलाया हाथ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम और आजाद समाज पार्टी (एएसपी) के बीच गठबंधन की नींव रखी जा चुकी है। यह नया गठबंधन फिलहाल सत्ता में आने या उत्तर प्रदेश विधानसभा में एक बड़ी ताकत के रूप में उभरने का सपना भी नहीं देख सकता, लेकिन यह निश्चित रूप से चुनावी समीकरणों को बदल सकता है और समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को नुकसान पहुंचा सकता है। एआईएमआईएम और आजाद समाज पार्टी के बीच प्रस्तावित समझौता चुनावी समीकरणों को बदल सकता है और सपा-कांग्रेस गठबंधन को नुकसान पहुंचा सकता है। पिछले चुनावों में एएसपी ने लगभग 110 सीटों पर चुनाव लड़ा और राज्यव्यापी वोटों का केवल 0.13% ही हासिल किया। एआईएमआईएम ने 95 सीटों पर चुनाव लड़ा और लगभग 0.49% वोट प्राप्त किए। दोनों में से किसी भी पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के नगीना (एससी) लोकसभा क्षेत्र से आजाद की जीत ने उनकी राजनीतिक स्थिति को मजबूत किया है, और उनकी पार्टी मायावती के नेतृत्व वाली बसपा के पतन से पैदा हुए खाली स्थान में प्रवेश करने की कोशिश कर रही है। जानकारी मिली है कि आजाद समाज पार्टी लगभग 150 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है, जबकि एआईएमआईएम लगभग 50 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यह गठबंधन मुख्य रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और रोहिलखंड क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसका महत्व तीन क्षेत्रों में निहित है: दलित वोट, बसपा के पारंपरिक समर्थन का कमजोर होना या विखंडन, और भाजपा, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर इसका संभावित प्रभाव। आजाद अंबेडकरवादी और दलित राजनीति के एक प्रमुख युवा चेहरे के रूप में उभरे हैं। प्रस्तावित गठबंधन बसपा के लिए एक चुनौती साबित हो सकता है। शायद यही इसका सबसे महत्वपूर्ण दीर्घकालिक राजनीतिक लक्ष्य है। अगर आजाद युवा दलित मतदाताओं और गैर-जाटव दलितों के कुछ वर्गों को आकर्षित करने में सफल होते हैं, तो मायावती का पारंपरिक राजनीतिक दायरा और भी सिकुड़ सकता है। सपा के लिए यह चिंता का विषय है, क्योंकि मुस्लिम या दलित वोटों का थोड़ा सा भी स्थानांतरण करीबी मुकाबले वाले निर्वाचन क्षेत्रों में परिणाम बदल सकता है। भाजपा को करीबी मुकाबले वाले निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्षी वोटों के विखंडन से फायदा हो सकता है। कांग्रेस के लिए, एआईएमआईएम द्वारा मुस्लिम वोटों को लामबंद करने के कारण मुस्लिम समुदाय तक उसकी पहुंच में सेंध लग सकती है।

अखिलेश का दलित प्रेम, ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की पार्टी का गठबंधन, यूपी चुनाव में कहां खड़ी मायावती की बसपा?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव होने में अब से कुछ ही महीने बाकी है, लेकिन उससे पहले सभी राजनीतिक दलों की सबसे पहली नजर दलित वोट बैंक पर है। इसी रणनीति के तहत समाजवादी पार्टी 15 नवंबर को आगरा में दलित महापंचायत आयोजित करने जा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव इस महापंचायत में शामिल होकर पश्चिमी यूपी में चुनावी अभियान का शंखनाद करेंगे। वहीं, दूसरी तरफ मुस्लिम और दलित वोट बैंक की रणनीति के तहत गुरुवार को अक्टक्ट चीफ ओवैसी और आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद ने गठबंधन का ऐलान कर दिया है। जबकि बीजेपी पहले से ही दलित वोटों पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए कई तरह कार्यक्रम आयोजित करती रही है। इतना ही नहीं अभी कुछ महीने पहले उत्तर प्रदेश सरकार से भदोही का नाम फिर से संत रविदास नगर किया है, जिसको समाजवादी पार्टी की सरकार में बदल दिया गया था। समाजवादी पार्टी पिछले कुछ सालों से दलित समाज के बीच अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रही है। दलित नेताओं को संगठन में जिम्मेदारियां देना, आंबेडकरवादी प्रतीकों का इस्तेमाल बढ़ाना और दलित संतों के सम्मान से जुड़े कार्यक्रम इसी प्रयास का हिस्सा हैं। इससे पहले 15 मार्च को समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कांशीराम की जयंती को 'ढऊअ दिवस' के तौर पर मनाई थी। जिसका मतलब पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों के सामाजिक गठबंधन से है। यह 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी के सामाजिक आधार को बढ़ाने की एक स्ट्रेटेजिक कोशिश का संकेत देता है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है। 2022 के चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी ने दलितों तक पहुंचने के लिए 'बाबा साहेब वाहिनी' शुरू की थी, जिसका नाम बीआर अंबेडकर के नाम पर रखा गया था।

2007 से लगातार कमजोर होती गई बसपा, वोट शेयर में बड़ी गिरावट

राजनीतिक माहौल बहुत बदल गया है। बसपा, जिसने 2007 के विधानसभा चुनावों में 30% से ज्यादा वोट शेयर के साथ बहुमत हासिल किया था, लगातार कम होता गया है। 2022 के विधानसभा चुनावों में यह 12.7% और एक टछअ रह गया, और 2024 के लोकसभा चुनावों में यह 9.3% रह गया और उसके कोई सीट नहीं मिली। हालांकि, पश्चिमी यूपी में जाटवों का दबदबा है, जिनकी वफादारी ज्यादातर बसपा के साथ बनी हुई है। यूपी की लगभग 21% आबादी दलित है। इनमें से 54% से ज्यादा जाटव हैं, जो राज्य की आबादी का लगभग 12% हैं। जाटवों के बाद पासी सबसे बड़ी दलित कम्युनिटी है, जो दलित आबादी का लगभग 16% और राज्य की आबादी का लगभग 3.5% है। इस कैटेगरी में पासवान भी शामिल हैं। धोबी, कोरी, बाल्मीक और खटिक राज्य की दूसरी बड़ी दलित कम्युनिटी में से हैं और ये सब मिलकर दलित आबादी का लगभग 18% या राज्य की आबादी का लगभग 3.5% हैं।

सपा के सामने भरोसे की चुनौती, दलित- ओबीसी समीकरण भी आसान नहीं

हालांकि, समाजवादी पार्टी के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। कांग्रेस के बिना बहुजन समाज को अपने साथ जोड़ने की सपा की क्षमता प्रभावित हो सकती है। मंडल राजनीति के बाद उत्तर प्रदेश में सामाजिक और राजनीतिक वर्चस्व का स्वरूप बदला है। खेती-किसानी और स्थानीय राजनीति में प्रभावशाली ओबीसी समुदायों के उभार से दलित और ओबीसी समुदायों के बीच नए तनाव भी पैदा हुए हैं। समाजवादी पार्टी के पिछली सरकारों को देखा जाए तो 2012 में दलित आइकॉन के सम्मान में ज़िलों के नाम बदलना, सुलह की कोशिशों को मुश्किल बनाती हैं। 2019 का नाकाम रढ-इरढ गठबंधन, जिसे आम तौर पर 'बुआ-बबुआ' गठबंधन कहा जाता है, उसने दिखाया कि हिसाब-किताब हमेशा केमिस्ट्री में नहीं बदलता, जमीनी स्तर पर भरोसा रातों-रात नहीं बनाया जा सकता।

मायावती के सामने कोर वोट बैंक बचाने की चुनौती

मायावती के लिए, अभी की चुनौती ज्यादा बुनियादी है। उनका कोर जाटव बेस भी कमजोर दिख रहा है। अंदरूनी उथल-पुथल, जिसमें उनके भतीजे आकाश आनंद को कुछ समय के लिए निकालना और फिर वापस लेना शामिल है। उसने भी अनिश्चितता पैदा कर दी है। दलबदल और कमजोर ऑर्गेनाइजेशनल नेटवर्क ने बसपा की ताकत कम कर दी है। इस बीच, दलित वोटरों के पास ज्यादा ऑप्शन हैं। कुछ इखढ के साथ, दूसरे रढ-कांग्रेस के साथ एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं, और पश्चिमी वढ में चंद्रशेखर आजाद एक मुखर युवा नेता के तौर पर उभरे हैं, जो खास तौर पर जाटव वोटरों को पसंद आ रहे हैं।

दलित वोट बैंक पर सभी की नजर, मायावती के सामने सबसे बड़ी चुनौती

दलित वोट बैंक की इस राजनीति में सवाल खड़ा होता है कि आखिर मायवाती की बहुजन समाज पार्टी इन सबके बीच कहां खड़ी है, क्योंकि दलित वोट प्रमुख रूप से बसपा का ही रहा है, लेकिन 2007 के विधानसभा चुनाव के बाद उसके वोट बैंक में लगातार गिरावट होती गई है। मौजूदा वक्त में बसपा का उत्तर प्रदेश में न तो विधानसभा में कोई विधायक और न ही लोकसभा में कोई सांसद। क्योंकि पिछले दिनों एकमात्र जो बसपा विधायक थे, उनका निधन हो चुका है। ऐसे में दलितों पर कमजोर होती मायावती की पकड़ के देखते हुए सभी पार्टियों की निगाह दलित वोट बैंक पर है। आगरा में समाजवादी पार्टी की महापंचायत का मुख्य मुद्दा संविधान और आरक्षण बचाने का होगा। इसके साथ ही दलित संतों के सम्मान, सामाजिक न्याय और ढऊअ यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक की राजनीति को भी आयोजन के केंद्र में रखा गया है। इस अभियान की कमान सपा के राज्यसभा सांसद और दलित नेता रामजीलाल सुमन को सौंपी गई है। वह अलग-अलग जिलों में जाकर दलित समाज के लोगों और संगठनों को कार्यक्रम से जोड़ने में जुटे हैं।

आगरा से अखिलेश का चुनावी शंखनाद, पीडीए के जरिए दलितों को जोड़ने की कोशिश

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए अखिलेश यादव की यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पहली बड़ी रैली मानी जा रही है। समाजवादी पार्टी का मकसद सिर्फ एक सम्मेलन करना नहीं, बल्कि दलित राजनीति के केंद्र माने जाने वाले आगरा से यह संदेश देना है कि पार्टी ढऊअ के जरिए दलितों को अपने साथ जोड़ने के लिए गंभीरता से मैदान में उतर चुकी है। दलित राजनीति के महत्वपूर्ण केंद्रों में आगरा को गिना जाता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इस इलाके में जाटव समुदाय की बड़ी आबादी है और लंबे समय तक यह क्षेत्र बहुजन समाज पार्टी की राजनीति का मजबूत आधार रहा है, लेकिन 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव से यहां भाजपा का कब्जा है। ऐसे में समाजवादी पार्टी द्वारा आगरा में दलित महापंचायत आयोजित करने का सियासी महत्व बढ़ जाता है।

संपादक की कलम

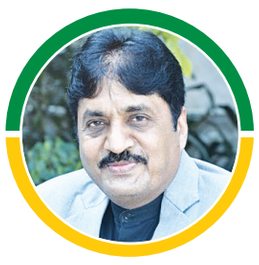
नैतिकता संवेदना का सौंदर्य बोध साहित्य



ललित शर्मा
संपादक

आज का युग विज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग है। मनुष्य ने विकास के अनेक शिखर छू लिए हैं, किंतु यदि उसके भीतर नैतिक मूल्यों का ह्रास हो जाए तो यह विकास विनाश का कारण भी बन सकता है। ऐसे समय में साहित्य समाज को मानवीय मूल्यों से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर सामने आता है ।साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने कहा था कि साहित्य वही है जिसमें उच्च चिंतन, स्वतंत्रता का भाव, सौंदर्य का सार और जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश हो। साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं होना चाहिए बल्कि मनुष्य के चरित्र-निर्माण का माध्यम हो ।रवीन्द्रनाथ ठाकुर का विश्वास था मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानवता ही है। साहित्य इसी मानवता को जागृत करता है। वह मनुष्य को दूसरे के दु :ख को अपना दु :ख समझना सिखाता है। भारतीय संस्कृति में नैतिकता को धर्म का मूल माना गया है। सत्य, अहिंसा, दया, करुणा, परोपकार और सहिष्णुता जैसे मूल्य केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं इन्हें साहित्य ने जन-जन तक पहुँचाया है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन का संदेश दिया, वहीं कबीर ने पाखंड का विरोध करते हुए प्रेम और सत्य का मार्ग दिखाया। साहित्य सामाजिक यथार्थ का आईना ही नहीं, उसका मार्गदर्शक भी है ।यह कथन केवल एक उक्ति नहीं, मानवीय सभ्यता का सत है। जिस समाज में नैतिकता और साहित्य का सम्मान होता है, वहाँ संवेदनाएँ फलती हैं, न्याय आदर प्राप्त करता है और मनुष्य केवल भौतिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध होता है। नैतिकता मनुष्य के चरित्र का आधार है, जबकि साहित्य उसके हृदय की रक्त वाहिनी है। दोनों का समन्वय ही किसी सभ्य समाज का वास्तविक मूल है। महात्मा गांधी का प्रसिद्ध कथन है कि सत्य और अहिंसा ही मेरे जीवन का धर्म है। उनके विचारों पर साहित्य का गहरा प्रभाव था। उन्होंने अनेक ग्रंथों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को नैतिकता का उदाहरण बनाया। रूसी साहित्यकार लियो टॉल्स्टॉय का मानना था कि सच्ची कला मानवता को जोड़ती है। उनकी रचनाएँ केवल कहानियाँ नहीं, बल्कि नैतिक चेतना की पाठशाला हैं। इसी प्रकार मैक्सिम गोर्की ने साहित्य को संघर्षशील समाज की आवाज बताया। हिंदी के महान कवि रामधारी सिंह दिनकर ने लिखा मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है। यह बात केवल प्रेरणा नहीं देती, बल्कि आत्मविश्वास और नैतिक साहस का भी संदेश देती है। आज समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है,भ्रष्टाचार, हिंसा, उपभोक्तावाद, पारिवारिक विघटन, पर्यावरण संकट और सामाजिक असहिष्णुता। इन समस्याओं का समाधान केवल कानून से संभव नहीं है। जब तक मनुष्य के भीतर नैतिक चेतना जागृत नहीं होगी, तब तक स्थायी परिवर्तन नहीं आएगा। यह कार्य साहित्य ही कर सकता है, क्योंकि वह सीधे मनुष्य के हृदय से संवाद करता है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में यदि साहित्य और नैतिक शिक्षा को समान महत्व दिया जाए तो भावी पीढ़ी केवल सफल ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक भी बनेगी। एक वैज्ञानिक, डॉक्टर, शिक्षक, प्रशासक या राजनेता तभी समाज का हित कर सकता है जब उसके भीतर नैतिकता का प्रकाश हो। आज सोशल मीडिया और त्वरित सूचना के युग में साहित्य की भूमिका और भी बढ़ गई है। साहित्य हमें ठहरकर सोचने, आत्ममंथन करने और सही-गलत का विवेक विकसित करने की प्रेरणा देता है। वह मनुष्य को केवल बुद्धिमान नहीं, बल्कि विवेकवान बनाता है। मूलत : नैतिकता समाज की आत्मा है और साहित्य उसकी चेतना। जहाँ नैतिकता होगी, वहाँ विश्वास होगा; जहाँ साहित्य होगा, वहाँ संवेदना होगी। विश्वास और संवेदना मिलकर ही आदर्श समाज का निर्माण करते हैं।

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती



ललित गर्ग
लेखक



आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी? पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं। भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है। कोविड-19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने की भी क्षमता है।

भारत की अर्थव्यवस्था पर दुनिया का भरोसा, 2047 से पहले विकसित भारत का लक्ष्य!



किशन भावनानीं
लेखक



वैश्विक स्तरपर भारत की अर्थव्यवस्था आज एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है,जहां एक ओर वैश्विक वित्तीय संस्थान भारतीय विकास की संभावनाओं पर भरोसा जता रहे हैं, दूसरी ओर केंद्र सरकार विकसित भारत के लक्ष्य को निर्धारित समय से पहले हासिल करने की बात कर रही है ।भारत में आर्थिक बहस अक्सर गरीबों के कल्याण और उद्योगों को प्रोत्साहन देने के इर्द-गिर्द केंद्रित रहती है। यह आवश्यक भी है,लेकिन मध्यवर्ग और छोटेकारोबारियों की समस्याओं को भी समान गंभीरता से समझने की आवश्यकता है ।यही वर्ग कर भुगतान,उपभोग,बचत, निवेश और रोजगार सृजन के माध्यम से अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करता है ।लेकिन मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि आर्थिक विकास की वास्तविक सफलता केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों,शेयर बाजार के सूचकांकों अथवा औद्योगिक उत्पादन की तेजी से नहीं मापी जा सकती ।इसकी असली कसौटी यह है कि विकास का लाभ गरीब,मध्यम वर्ग,नौकरीपेशा परिवार छोटे व्यापारी, उद्यमी और किसानों तक किस सीमा तक पहुंचता है। इसी व्यापक आर्थिक परिप्रेक्ष्य में 12 नवंबर 2026 का दिन भारत की आर्थिक चर्चा के लिए विशेष महत्व रखता है।

साथियों बात अगर हम बैंक ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट : भारत की आर्थिक रफ्तार को लेकर बड़े अनुमान को समझने की करें तो,12 नवंबर 2026 को सामने आए आर्थिक आकलन में सबसे महत्वपूर्ण चर्चा बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज की आर्थिक विकास संबंधी रिपोर्ट की है ।बैंक ऑफ अमेरिका ग्लोबल रिसर्चके अर्थशास्त्रियों के आकलन के अनुसार वित्त वर्ष 2026- 27 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रह सकती है ।यह अनुमान भारतीय अर्थव्यवस्था की आंतरिक मजबूती,औद्योगिकगतिविधियों और विनिर्माण क्षेत्र की बेहतर संभावनाओं को रेखांकित करता है ।इस अनुमान के पीछे सबसे महत्वपूर्ण आधार औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण गतिविधियों में तेजी है ।विनिर्माण क्षेत्र में लगभग 8.1 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 7.3 प्रतिशत की मजबूती तथा सेवाक्षेत्र की सक्रियता अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है। इसके अतिरिक्त बैंक ऋण वृद्धि लगभग 20 प्रतिशत के आसपास रहने, वाहन बिक्री, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की मांग, बिजली की खपत और माल ढुलाई गतिविधियों में मजबूती को भी विकास के सकारात्मक संकेतकों के रूप में देखा गया है ।बैंक ऑफ अमेरिका का आकलन यह भी बताता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में केवल सरकारी खर्च के सहारे विकास नहीं हो रहा, बल्कि निजी क्षेत्र की गतिविधियां, उपभोग और औद्योगिक निवेश भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यही कारण है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतकी विकास संभावनाओं को सकारात्मक माना जा रहा है ।एक महत्वपूर्ण तथ्यात्मक स्पष्टीकरण उपलब्ध प्रकाशित समाचारों में इस आकलन की किसी अलग औपचारिक रिपोर्ट का निश्चित शीर्षक नहीं दिया गया है। इसलिए इसे बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज के आर्थिक अनुसंधान संबंधी आकलन के रूप में प्रस्तुत करना उचित होगा। साथ ही 7.7 प्रतिशत का आंकड़ा उपलब्ध रिपोर्टिंग में वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी अनुमान के रूप में दर्ज है,अक्टूबर-दिसंबर की तीसरी तिमाही के रूप में नहीं ।अत:दोनों अवधियों को एक मानकर प्रस्तुत करना सही नहीं होगा।

साथियों बात अगर हम भारतीय पीएम का संदेश 2047 का इंतजार नहीं, विकसित भारत का लक्ष्य अभी से हासिल करने का संकल्प को समझने की करें तो 12 नवंबर 2026 को भाजपा मुख्यालय में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में पीएम ने विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया ।उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए 2047 की समय- सीमा तक बैठकर इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है। 2047 स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने का राष्ट्रीय लक्ष्य अवश्य है, लेकिन देश को विकसित बनाने की दिशा में प्रयास आज से ही निरंतर होने चाहिए ।पीएम का यह संदेश केवल राजनीतिक संकल्प नहीं, बल्कि परीक्षा केवल आर्थिक विकास दर बढ़ाने की नहीं होती,बल्कि यहसुनिश्चित करने की होती है कि विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक संतुलित रूप से पहुंचे निर्धन परिवारों को बुनियादी सुविधाओं की सुरक्षा चाहिए उद्योगों को निवेश और विस्तार के अवसर चाहिए, जबकि मध्य वर्ग और छोटे कारोबारियों की अपेक्षाएं स्थिर आय, कम लागत और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी होती हैं ।सफल आर्थिक नीति वही मानी जाएगी,जो इनविभिन्न आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित कर सके ।मध्य वर्ग का जीवन निरंतर आर्थिक संतुलन साधने का प्रयास है ।महीने की आय का बड़ा हिस्सा मकान की किस्त अथवा किराए, बच्चोंकी शिक्षा,बिजली-पानी, परिवहन, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की आवश्यकताओं पर खर्च हो जाता है ।नौकरी पेशा वर्ग प्रत्यक्ष कर के साथ उपभोग के दौरान अप्रत्यक्ष करों का भी भार उठाता है। इन सबके बाद बचत के लिए सीमित संसाधन बचते हैं ।ऐसी परिस्थिति में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि, ईंधन महंगा होना, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की लागत बढ़ना तथा ब्याज दरों में बदलाव उसके आर्थिक बजट को सटीकता से प्रभावित करते हैं। साथियों, दूसरी ओर, छोटे कारोबारियों की चुनौतियां भी कम नहीं हैं ।किराया, बिजली, कच्चा माल परिवहन, कर्मचारियों का वेतन, डिजिटल भुगतान की लागत और बाजार में प्रतिस्पर्धा उनके व्यवसाय की लाभ प्रदता को प्रभावित करते हैं। बड़े उद्योगों के पास पूंजी, तकनीक और वित्तीय संसाधनों की अपेक्षाकृत अधिक उपलब्धता होती है, जबकि छोटे व्यापारी सीमित पूंजी के साथ बाजार में टिके रहने का प्रयास करते हैं ।इसलिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सस्ता और समय पर ऋण, सरल अनुपालन व्यवस्था, डिजिटल प्रशिक्षण, बाजार तक पहुंच और भुगतान की समयबद्धता उपलब्ध कराना आवश्यक है। यदि छोटे कारोबारियों की कार्यशील पूंजी बाजार में फंसती रहेगी, तो उत्पादन और रोजगार दोनों प्रभावित होंगे ।यहां सरकार के सामने दोहरी जिम्मेदारी है। एक तरफ गरीब परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करनी हैं, वहीं दूसरी तरफ मध्य वर्ग की क्रयशक्ति तथा छोटे कारोबारियों की व्यावसायिक क्षमता को बनाए रखना है। क्योंकि मध्य वर्ग की खपत घटने से बाजार की मांग प्रभावित हो सकती है और छोटे कारोबारियों की बिक्री कमजोर होने से रोजगार सृजन पर भी असर पड़ सकता है।

साथियों बात अगर हम 12 नवंबर को शेयर बाजार में तेजी:सेंसेक्स 82 हजार के पार, निफ्टी 25,286 के आसपास को समझने की करें तो, भारत की आर्थिक संभावनाओं के बीच गुरुवार 12 नवंबर 2026 को भारतीय शेयर बाजार में भी सकारात्मक गतिविधियां देखने को मिलीं। सेंसेक्स और निफ्टी ने शुरूआती कारोबार में कमजोरी के बाद तेजी दिखाई। कारोबार के शुरूआती समय में सेंसेक्स लगभग 82,003 के स्तर और निफ्टी 25,286 के आसपास पहुंचा। स्मॉलकैप शेयरों में लगभग 1.08 प्रतिशत की उछाल भी व्यापक बाजार में निवेशकों की सक्रियता का संकेत बनी ।हालांकि यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ये आंकड़े शुरूआती कारोबार के दौरान दर्ज स्तरों के रूप में देखे जाने चाहिए, न कि आधिकारिक शुरूआती भाव के रूप में। उपलब्ध बाजार रिपोर्टों के अनुसार सेंसेक्स और निफ्टी की वास्तविक शुरूआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी, जिसके बाद दोनों सूचकांकों ने तेजी पकड़ी।

वन है रब की उपहार



उदय कशोर साह

कविता

रे जंगल तेरी महिमा अपरम्पार
प्रकृति की हो तुम सोलह श्रृंगार
रब ने दी है तुम्हें मानव को उपहार
धरा के जीव जन्तु हैं तेरा कर्जदार

तुमसे है हमारा जीवन भर का रिश्ता
जीवन जीने हेतु तुम बने हो फरिश्ता
प्राण वायु दे करते सेवा तुँ हमार
गरमी से देती राहत तेरी ठंडी वयार

आवास बनाने में मदद होती तुम्हारी
चौखट खिड़की किवाड़ में तुँ सारी
ईंधन तेरे घर में है भरा पुरा भंडार
सखुवा शीशम महुवा का पड़ा अंबार

बरगद पीपल नीम हम सब को प्यारा
गर्म दोपहर में देता सुकून छाँव तुम्हारा
तेरे बिना जग की कल्पना है बेकार
तेरी मदद का ऋणी है सारा ये संसार

पर हम मानव करते हैं तुमसे ही गद्दारी
तेरे वंशज काट रहे हैं बन कर अत्याचारी
तुँ बुलाता है वर्षा रानी को बारंबार
पर हम मानव कितने हैं आज नासमझदार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

हर पृष्ठ का महत्व: पढ़ने की स्थायी शक्ति



डॉ विजय गर्ग
लेखक



हम जो भी पृष्ठ पढ़ते हैं, वह हमारी सोच बदलने, ज्ञान बढ़ाने और भविष्य को बेहतर बनाने की क्षमता रखता है। पुस्तक केवल छपे हुए शब्दों का संग्रह नहीं होती, बल्कि नए विचारों, अनुभवों और संभावनाओं की खिड़की होती है। एक छोटा-सा पृष्ठ भी हमें कोई महत्वपूर्ण सीख दे सकता है, नई सोच विकसित कर सकता है और जीवन को देखने का हमारा नजरिया बदल सकता है।

आज डिजिटल युग में पढ़ने की आदत तेजी से बदल रही है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, छोटी वीडियो और तुरंत उपलब्ध जानकारी के कारण लोगों का पुस्तकों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हो रहा है। डिजिटल तकनीक ने जानकारी तक पहुंच आसान बनाई है, लेकिन गहराई से पढ़ने और विचार करने की आदत आज भी अत्यंत आवश्यक है।

हर पृष्ठ महत्वपूर्ण है, क्योंकि सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है। जो विद्यार्थी प्रतिदिन कुछ पृष्ठ पढ़ता है, उसका ज्ञान, शब्दावली, कल्पनाशक्ति और तार्किक चिंतन धीरे-धीरे विकसित होता है। नियमित रूप से किए गए छोटे-छोटे प्रयास समय के साथ बड़े परिणाम देते हैं।

पढ़ने से धैर्य और एकाग्रता भी विकसित होती है। छोटे डिजिटल संदेशों के विपरीत, पुस्तकें पाठकों को विचारों को समझने, तर्कों पर विचार करने और विभिन्न दृष्टिकोणों का विश्लेषण करने के लिए प्रेरित करती हैं। पुस्तकें हमें महान वैज्ञानिकों, विचारकों, लेखकों और नेताओं के अनुभवों से परिचित कराती हैं, जिनसे हम अपने जीवन के लिए प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।

विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक पृष्ठ शैक्षणिक सफलता की ओर बढ़ने वाला एक कदम हो सकता है। पाठ्यपुस्तकें मजबूत आधार तैयार करती हैं, जीवनियाँ प्रेरणा देती हैं, समाचार पत्र जागरूकता बढ़ाते हैं और वैज्ञानिक पत्रिकाएँ जिज्ञासा विकसित करती हैं। निर्धारित पाठ्यक्रम से आगे पढ़ने से विद्यार्थी केवल परीक्षा की तैयारी करने वाले नहीं, बल्कि स्वतंत्र रूप से सीखने वाले बनते हैं। बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने में माता-पिता और शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालयों में आकर्षक पुस्तकालय स्थापित किए जाने चाहिए, पठन गतिविधियाँ आयोजित होनी चाहिए और विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। बच्चों पर पढ़ने का दबाव डालने के बजाय उनमें पढ़ने के आनंद को विकसित करना चाहिए ।पढ़ना केवल परीक्षाओं या शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं होना चाहिए। साहित्य संवेदनशीलता और सहानुभूति विकसित करता है, इतिहास हमें अतीत की जानकारी देता है, विज्ञान हमारे आसपास की दुनिया को समझाता है और दर्शन हमें अपनी मान्यताओं पर प्रश्न उठाने के लिए प्रेरित करता है। प्रत्येक विधा व्यक्तिगत विकास का एक नया अवसर प्रदान करती है। पढ़ने की अच्छी आदत विकसित करने के लिए प्रतिदिन कई घंटे पुस्तक के साथ बिताना आवश्यक नहीं है। प्रतिदिन केवल 15-20 मिनट पढ़ने से भी समय के साथ महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है। नियमितता, जिज्ञासा और सीखने की इच्छा सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हर पृष्ठ समान रूप से उपयोगी नहीं होता और न ही प्रत्येक पुस्तक समान गुणवत्ता की होती है। पाठकों में विश्वसनीय जानकारी और भ्रामक सूचनाओं के बीच अंतर करने की क्षमता विकसित होनी चाहिए। सही पुस्तकें और सार्थक सामग्री चुनना भी पढ़ने की आदत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अंततः, हर पृष्ठ महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रत्येक पृष्ठ हमें सीखने, सोचने और आगे बढ़ने का अवसर देता है। पुस्तक समाप्त हो सकती है, लेकिन उससे प्राप्त ज्ञान हमारे निर्णयों और कार्यों को लंबे समय तक प्रभावित करता रहता है। आइए, पढ़ने को जीवनभर की आदत बनाएँ। प्रतिदिन एक नया पृष्ठ पढ़ें, एक नया विचार खोजें और ज्ञान को अपने जीवन का मार्गदर्शक बनाएँ। बेहतर भविष्य की यात्रा आज केवल एक पृष्ठ पढ़ने से भी शुरू हो सकती है।

गढ़ गंगा मेले में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन को लेकर प्रशासन की तैयारियां तेज

डीएम और सीडीओ ने मेला स्थल, घाटों एवं कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण, अधिकारियों को समय से व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश






वेलकम इंडिया/हरेन्द्र शर्मा

हापुड़। आगामी कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाले ऐतिहासिक गढ़ गंगा मेले में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सफल बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कविता मीना और मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा ने मेला स्थल, गंगा घाटों तथा प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मेला क्षेत्र में साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, श्रद्धालुओं के आवागमन, पार्किंग और यातायात प्रबंधन की स्थिति देखी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हेलीपैड स्थल, मंच निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था तथा चिकित्सा शिविरों की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की और जहां भी कमियां दिखाई दीं, उन्हें समय रहते दूर करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय सीमा में पूरी कर ली जाएं। कार्यक्रम स्थल पर मंच, बैठने की व्यवस्था, आवागमन के रास्ते और सुरक्षा से संबंधित सभी प्रबंध व्यवस्थित होने चाहिए। हेलीपैड स्थल पर भी आवश्यक सुविधाएं और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गढ़ गंगा मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना रहती है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। घाटों पर स्वच्छता, पर्याप्त रोशनी, पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुचारू आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। भीड़ को नियंत्रित रखने तथा वाहनों के व्यवस्थित संचालन के लिए यातायात मार्ग और पार्किंग स्थलों की उचित व्यवस्था की जाए, जिससे श्रद्धालुओं को जाम अथवा अन्य असुविधाओं का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को अपने-अपने विभाग से संबंधित कार्यों की नियमित निगरानी करने और किसी भी समस्या का तत्काल समाधान करने के लिए भी निर्देशित किया गया। जिला प्रशासन मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के साथ-साथ कार्तिक पूर्णिमा मेले की व्यवस्थाओं को भी सुव्यवस्थित बनाने में जुटा है।

प्रतापगढ़ मे फर्जीवाडे का खुलासा दो अलग अलग पते पर दो फर्जी पासपोरट बनवाने वाले गिरफ्तार

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। जनपद के कुंडा कोतवाली पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दो अलग-अलग पतों पर पासपोर्ट बनवाने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी दिलशाद अहमद (37) को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर नाम और पता बदलकर कूटरचित दस्तावेजों के जरिए दो पासपोर्ट बनवाने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने मुंबई और कुंडा के अलग-अलग पतों का इस्तेमाल कर दो पासपोर्ट बनवाए थे। दोनों पासपोर्ट में जन्मतिथि समान थी, जबकि नाम और पते में बदलाव किया गया था। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय से पुलिस को इस संबंध में पत्र प्राप्त हुआ। पत्र मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने धमैयापुर मोड़ के पास घेराबंदी कर आरोपी दिलशाद अहमद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अंकित सिंह और कांस्टेबल शिवम सिंह शामिल रहे। दो अलग-अलग पतों पर पासपोर्ट बनवाने का मामला सामने आने के बाद पुलिस की कार्रवाई चर्चा में है। अब इस मामले में जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया में किन तथ्यों का इस्तेमाल किया गया था।

हापुड़ में 14 व 15 नवंबर को सजेगा साहित्यम महापर्व, साहित्यकारों और फिल्मी हस्तियों का लगेगा जमावड़ा

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। हापुड़ की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित होने जा रहे साहित्यम महापर्व-2026 को लेकर गुरुवार को प्रयाग हॉस्पिटल, गढ़ रोड स्थित परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें हापुड़ साहित्य समिति के पदाधिकारियों ने महोत्सव की रूपरेखा, कार्यक्रमों और विशेष आकर्षणों की जानकारी दी।हापुड़ साहित्य समिति के तत्वावधान में महोत्सव का दूसरा संस्करण 14 और 15 नवंबर को एसएसवी पीजी कॉलेज, हापुड़ में आयोजित होगा। दोनों दिन कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेंगे।समिति के अध्यक्ष इंदु भूषण मित्तल ने कहा कि साहित्य समाज की वैचारिक और सांस्कृतिक समृद्धि का आधार है। साहित्यम महापर्व के माध्यम से हापुड़ को राष्ट्रीय साहित्यिक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।इसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से साहित्यकार, कवि, शायर, लेखक, शिक्षाविद् और संस्कृति से जुड़ी हस्तियां भाग लेंगी। यह आयोजन स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर के रचनाकारों से संवाद का अवसर प्रदान करेगा। समिति के मार्गदर्शक डॉ. श्याम कुमार ने कहा कि साहित्य किसी भी सभ्यता की आत्मा है। तकनीकी युग में मानवीय संवेदनाओं और सांस्कृतिक मूल्यों को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। साहित्यम महापर्व वरिष्ठ साहित्यकारों के अनुभव, युवाओं की ऊर्जा और बच्चों की कल्पनाशीलता को एक मंच पर लाने का सार्थक प्रयास है। महोत्सव के संस्थापक एवं निदेशक महेश वर्मा ने बताया कि दो दिवसीय महोत्सव में हिंदी एवं अंग्रेजी साहित्य पर पैनल चर्चा, विशेष व्याख्यान, पुस्तक लोकार्पण, पुस्तक परिचर्चा, नाट्य प्रस्तुति, काव्यपाठ, मुशायरा, छंदोत्सव, ओपन माइक, कठपुतली शो और बच्चों के रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित होंगे। 14 नवंबर को विद्यार्थियों के लिए साहित्यम कैफे (सृजन-संवाद) आयोजित किया जाएगा, जिसमें हिंदी एवं अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थी साहित्यिक और समसामयिक विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वहीं 15 नवंबर को लगभग 40 कवियों की सहभागिता के साथ विशेष काव्यधारा कवि सम्मेलन आयोजित होगा। इसके अलावा कॉपीराइट, ISBN, रॉयल्टी एवं बौद्धिक संपदा अधिकारों पर भी विशेष परिचर्चा होगी।महोत्सव में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और साहित्य अकादमी सहित प्रतिष्ठित संस्थाओं के पुस्तक स्टॉल भी लगाए जाएंगे। इनका उद्देश्य पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देना और नई पीढ़ी में पढ़ने की रुचि विकसित करना है।समिति के कोषाध्यक्ष राकेश कुमार ने आयोजन के सफल संचालन के लिए वित्तीय पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने सभी सहयोगियों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए नगरवासियों से महोत्सव में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि साहित्यम महापर्व किसी एक संस्था का आयोजन नहीं, बल्कि पूरे नगर का साझा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक उत्सव है। इस दौरान निदेशक महेश वर्मा, अध्यक्ष इंदु भूषण मित्तल, मार्गदर्शक डॉ. श्याम कुमार, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार, डॉ. योगेश कुमार गोयल, वरुण मित्तल, प्रभात कुमार सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

गढ़ गंगा मेले में सदर बाजार का मुख्य द्वार बनेगा आकर्षण का केंद्र

भगवान मुक्तेश्वर की भव्य मूर्ति होगी स्थापित, आकर्षक सजावट और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया जाएगा स्वागत द्वार

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा



हापुड़। आगामी कार्तिक पूर्णिमा गढ़ गंगा मेले को भव्य, आकर्षक और यादगार बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी कविता मीना एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा ने गढ़मुक्तेश्वर स्थित मेला स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सदर बाजार के मुख्य द्वार को मेले का प्रमुख आकर्षण केंद्र बनाने की योजना पर विशेष ध्यान दिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मुख्य द्वार पर भगवान मुक्तेश्वर की भव्य मूर्ति स्थापित कराने, आकर्षक साज-सज्जा, भव्य प्रकाश व्यवस्था और स्वागत द्वार को सुंदर ढंग से सजाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सदर बाजार का मुख्य दरवाजा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। इसलिए यहां भगवान मुक्तेश्वर की मूर्ति की स्थापना भव्य एवं आकर्षक तरीके से कराई जाए। मूर्ति स्थल के आसपास विशेष सजावट के साथ सुंदर लाइटिंग की व्यवस्था की जाए, ताकि रात के समय भी यह स्थान आकर्षक दिखाई दे। स्वागत द्वार को भी मेले की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के अनुरूप सजाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मूर्ति स्थल पर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और पेयजल की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। श्रद्धालुओं को भगवान मुक्तेश्वर के दर्शन करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवागमन का मार्ग सुगम और व्यवस्थित रखा जाए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक प्रबंध किए जाएं तथा सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। जिलाधिकारी ने मुख्य द्वार और आसपास के क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखने तथा भीड़ प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए सौंपे गए दायित्वों का समय से निर्वहन करें, ताकि कार्तिक पूर्णिमा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और सदर बाजार का मुख्य द्वार मेले की विशेष पहचान बन सके।

हापुड़ में घर के बाहर खड़ी कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग, तीन राउंड गोलियां चलाकर हमलावर हुए फरार

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा



हापुड़। नगर कोतवाली क्षेत्र की मेरठ रोड स्थित आवास विकास कॉलोनी में गुरुवार दोपहर बाइक या कार सवार हमलावरों ने घर के बाहर खड़ी एक कार को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने कार पर तीन राउंड गोलियां चलाईं और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई फायरिंग की आवाज से कॉलोनी में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग दहशत में आ गए।

जानकारी के अनुसार, आवास विकास कॉलोनी निवासी संदीप शर्मा पुत्र श्रद्धानंद शर्मा की कार घर के बाहर खड़ी थी। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे एक अन्य गाड़ी में सवार होकर पहुंचे हमलावरों ने अचानक कार पर गोलियां चला दीं। फायरिंग की आवाज सुनकर परिजन और आसपास रहने वाले लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर तेजी से मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने कार का मुआयना कर फायरिंग से जुड़े साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू की। इसके साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि हमलावरों की पहचान कर उनके आने-जाने के रास्ते का पता लगाया जा सके। हापुड़ सिटी क्षेत्राधिकारी दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि आवास विकास कॉलोनी में घर के बाहर खड़ी कार पर फायरिंग होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी जा रही है।

यूपी में बेहद मजबूत है भाजपा, रिकॉर्ड मतों से फिर बनेगी सरकार: राहुल प्रधान

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। किठौर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट के दावेदार एवं भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और फायर ब्रांड नेता राहुल प्रधान ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी बेहद मजबूत स्थिति में है और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा रिकॉर्ड मतों से एक बार फिर सरकार बनाएगी।राहुल प्रधान ने कहा कि प्रदेश की जनता का भाजपा के प्रति विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में विकास, सुशासन और कानून व्यवस्था को नई मजबूती मिली है।उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक मजबूत है और पार्टी के कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ जनता के बीच काम कर रहे हैं। किठौर विधानसभा क्षेत्र में भी भाजपा को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है।राहुल प्रधान ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा के विकास कार्यों और जनकल्याणकारी नीतियों पर अपनी मुहर लगाएगी और उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

स्व-गणना प्रक्रिया- सीडीओ ने सदर तहसील के प्रगणकों को दिया प्रशिक्षण

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना ने संत एंथोनी इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ में प्रगणकों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने प्रगणकों को स्व-गणना की प्रक्रिया का प्रशिक्षण प्रदान किया तथा जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि 16 नवम्बर से स्व-गणना की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। इसके लिए सभी प्रगणक अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में उपस्थित रहकर आमजन को स्व-गणना के प्रति जागरूक करेंगे तथा उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि जनगणना-2027 में पहली बार पूरी प्रक्रिया डिजिटल एवं पेपरलेस माध्यम से संपन्न कराई जा रही है। स्व-गणना के माध्यम से नागरिक अपने मोबाइल फोन का उपयोग कर घर बैठे परिवार से संबंधित आवश्यक जानकारियां स्वयं दर्ज कर सकेंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी प्रगणकों से जनगणना के इस महत्वपूर्ण कार्य को पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपन्न कराने तथा स्व-गणना प्रक्रिया में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। प्रशिक्षक धर्मेंद्र ओझा ने स्व-गणना के महत्व एवं प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि नागरिक अपनी जनगणना स्वयं कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल के माध्यम से निर्धारित ऐप पर जानकारी दर्ज करनी होगी। स्व-गणना की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि सबसे पहले ऐप पर अपना मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। इसके बाद मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी को सत्यापित कर ऐप पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भरने होंगे। सभी जानकारियां दर्ज करने के बाद प्राप्त स्व-गणना आईडी को सुरक्षित रखना होगा। जब प्रगणक घर पर जनगणना के लिए पहुंचेंगे, तब उन्हें यह आईडी उपलब्ध करानी होगी, जिसके माध्यम से प्रगणक जनगणना की प्रक्रिया पूर्ण करेंगे। प्रशिक्षण को व्यावहारिक रूप देने के लिए विनोद ने सभी प्रगणकों को मोबाइल ऐप पर स्व-गणना की प्रक्रिया का अभ्यास भी कराया, जिससे वे स्वयं प्रक्रिया को समझने के साथ-साथ आमजन को भी सही तरीके से जानकारी एवं सहयोग प्रदान कर सकें। इस अवसर पर तहसीलदार सदर ओम प्रकाश सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी सदर बंशीधर पांडे, खंड शिक्षा अधिकारी मांधाता प्रभाकर यादव एवं डॉक्टर विंध्याचल सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं प्रगणक उपस्थित रहे।

ऑपरेशन शस्त्र के तहत बाबूगढ़ पुलिस ने अवैध असलहे के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जनपद में अपराधों की रोकथाम एवं अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बाबूगढ़ थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से अवैध असलहा बरामद किया है।यह कार्रवाई पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र मेरठ के निदेशानुसार जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के अंतर्गत की गई। पुलिस द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

स्वरोजगार के अवसर सृजित कर पलायन रोकना सरकार की प्राथमिकता: सीएम धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जौनपुर महोत्सव में दी 52.55 करोड़ रूपये की 26 विकास परियोजनाओं की सौगात

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल







टिहरी गढ़वाल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टिहरी गढ़वाल के धनौल्टी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत थत्यूड़ में आयोजित नौवें जौनपुर महोत्सव एवं क्रीड़ा-सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्षेत्र को ₹52.55 करोड़ की लागत वाली 26 विकास योजनाओं की सौगात देते हुए उनका लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें ₹30.50 करोड़ से अधिक की 11 योजनाओं का लोकार्पण तथा ₹22.04 करोड़ से अधिक की 15 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। ये योजनाएं सड़क निर्माण एवं सुधारीकरण, शिक्षा, सिंचाई, पार्किंग, पशुपालन और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास से संबंधित हैं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को जौनपुर महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं, लोककला और लोक संगीत के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत को जानने और उससे जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि महोत्सव केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता को मजबूत करने का भी महत्वपूर्ण मंच हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे अभियानों ने देश में खेल संस्कृति को नई दिशा दी है। उत्तराखंड के युवा भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण एवं अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। खेल गतिविधियों को बढ़ावा देकर युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार टिहरी और आसपास के क्षेत्रों को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। लगभग ₹1300 करोड़ की लागत से टिहरी झील एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष पर्यटक क्षेत्र विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। टिहरी झील के चारों ओर रिंग रोड का निर्माण भी कराया जा रहा है। इससे पर्यटन गतिविधियों को विस्तार मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार तथा स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में सड़क और पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के लिए किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि कैम्पटी-चड़ोगी मोटर मार्ग पर भूस्खलन की समस्या के स्थायी समाधान के लिए लगभग ₹6 करोड़ की लागत से सुरक्षा उपचार कार्य पूरा कराया गया है। इसके अलावा ₹10 करोड़ से अधिक की लागत से कैम्पटी-चड़ोगी हल्का वाहन मोटर मार्ग के परिवर्तन एवं डामरीकरण का कार्य भी पूरा किया गया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए कद्दूखाल में ₹8 करोड़ से अधिक की लागत से वाहन पार्किंग का निर्माण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए पर्यटन, कृषि, उद्यानिकी, स्थानीय उत्पादों और स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। एक जनपद, दो उत्पाद जैसी पहलों के साथ हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के माध्यम से उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड ने शुरूआत से अब तक ₹6 करोड़ से अधिक की बिक्री का आंकड़ा पार किया है। यह प्रदेश की मातृशक्ति, किसानों और स्थानीय उत्पादकों के परिश्रम तथा उनके उत्पादों की गुणवत्ता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि स्टेट मिलेट मिशन, फार्म मशीनरी बैंक, एप्पल मिशन, नई पर्यटन नीति, होमस्टे और वेड इन उत्तराखंड जैसी योजनाओं से स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए अवसर विकसित हो रहे हैं।

छठ घाटों का डीएम और एसपी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था पर दिए निर्देश

गहरे पानी वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग, गोताखोरों की तैनाती और सीसीटीवी से होगी निगरानी

वेलकम इंडियासंवाददाता



संतकबीरनगर। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी अनुल मलिक और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने जिले के विभिन्न छठ घाटों एवं पूजा स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पक्का पोखरा, सुगर मिल तिराहा, मगहर, बालूशासन सहित प्रमुख छठ घाटों पर पहुंचकर सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी खलीलाबाद हृदयराम तिवारी तथा क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने पक्का पोखरा छठ घाट, मोतीपुर/चीनी मिल तिराहा, मगहर तथा बालूशासन घाट का भ्रमण किया। इस दौरान घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, यातायात संचालन और पार्किंग सहित अन्य आवश्यक प्रबंधों की जानकारी ली। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि छठ पर्व से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। डीएम और एसपी ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी करने, खोया-पाया केंद्र स्थापित करने तथा प्रभावी कंट्रोल रूम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए और सभी प्रमुख घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ महिला पुलिसकर्मियों तथा सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की भी तैनाती सुनिश्चित की जाए। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासनिक टीमें पूरी तरह तैयार रहें।

अधिकारियों ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि घाटों पर गहरे पानी वाले स्थानों को चिह्नित कर मजबूत बैरिकेडिंग कराई जाए तथा आवश्यकतानुसार चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में गोताखोरों, नाविकों और बचाव दल की तैनाती भी सुनिश्चित की जाए। सभी प्रमुख घाटों और संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील रखे जाएं तथा कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी की जाए, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय घटना पर तत्काल कार्रवाई हो सके। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक प्रमुख घाट पर खोया-पाया केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए। यहां बच्चों, बुजुर्गों अथवा अन्य किसी व्यक्ति के गुम होने की सूचना मिलने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही घाटों पर पर्याप्त प्रकाश, स्वच्छता और पेयजल की व्यवस्था करने तथा आवागमन के रास्तों को सुगम बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए यातायात उपनिरीक्षक (टीएसआई) को प्रभावी यातायात योजना तैयार कर लागू करने के निर्देश दिए गए। निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहनों को खड़ा कराया जाएगा, ताकि घाटों तक पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को जाम और अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने तथा घाटों पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता एवं संवेदनशीलता से ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए।

धरा धाम गौरव सम्मान समारोह का भव्य आयोजन, कई पत्रकारों को मिला ग्लोबल सौहार्द शिरोमणि अवार्ड



संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। मेहदावल स्थित डाक बंगले पर धरा धाम गौरव सम्मान समारोह-2026 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में पत्रकारिता एवं सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संतकबीरनगर जिले के कई पत्रकारों को ग्लोबल सौहार्द शिरोमणि अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर पत्रकारों के चेहरे खिल उठे। साथी पत्रकारों, सहयोगियों और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए खुशी जाहिर की। सम्मानित पत्रकारों ने कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए केवल सम्मान नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने, समाज की समस्याओं को जिम्मेदारी के साथ सामने लाने और निष्पक्ष एवं सकारात्मक पत्रकारिता करने की प्रेरणा है। उन्होंने इस उपलब्धि को सौहार्द शिरोमणि संत डॉ. सौरभ पाण्डेय के सम्मान में समर्पित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. पीएन पाण्डेय ने संत डॉ. सौरभ पाण्डेय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संत डॉ. सौरभ पाण्डेय अपने विचारों और कार्यों की सुगंध से पूरी दुनिया को सुगंधित कर रहे हैं। उन्हें कई भाषाओं का ज्ञान है और वे विश्वभर में सौहार्द, भाईचारे एवं मानवता का संदेश प्रसारित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि धरा धाम इंटरनेशनल एक सामाजिक एवं आध्यात्मिक संगठन है, जो धर्म, अध्यात्म, विश्व शांति, सांस्कृतिक एकता और मानवता के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। संगठन का मुख्य उद्देश्य विभिन्न धर्मों एवं परंपराओं के बीच आपसी सद्भाव, सम्मान और भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। डॉ. पीएन पाण्डेय ने सभी सम्मानित पत्रकारों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं पत्रकारों ने उनके स्नेह, मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में सम्मानित होने वालों में सुनील कुमार अग्रहरि, अर्जुन सिंह, आलोक बर्नवाल, कुशल दुबे, आशीष शर्मा, बीरेंद्र मणि त्रिपाठी, हरीश कुमार सिंह, राजकपूर गौतम, करीम मेंहदावली, शैलेश सिंह राजन, केसी चौधरी, अतुल सिंह, महबूब पठान, डॉ. पीएन पाण्डेय, अभय नाथ दुबे, अनूप मिश्र, शोएब सिद्दीकी, अरुण देव सिंह तथा नई दिल्ली की डॉ. पारुल राज शामिल रहीं।

गोवर्धन में 25वां विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर 17 नवंबर से

वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। श्रीनाथ जी धर्मार्थ सेवा सोसाइटी, फरीदाबाद के सौजन्य से कल्याण करोति नेत्र संस्थान, मथुरा द्वारा 25वें विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 17 नवंबर से 22 नवंबर 2026 तक सीताराम धर्मशाला, जापान वाली, परिक्रमा मार्ग, जतीपुरा, गोवर्धन में आयोजित होगा। शिविर में नेत्र रोगियों की जांच एवं भर्ती 21 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक की जाएगी। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञों की टीम द्वारा मोतियाबिंद, परवल और कालापानी सहित विभिन्न नेत्र रोगों की जांच, उपचार एवं ऑपरेशन पूरी तरह निःशुल्क किए जाएंगे। मोतियाबिंद के मरीजों के लिए लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। ऑपरेशन के योग्य पाए जाने वाले मरीजों के रहने, बिस्तर, दवा और भोजन की व्यवस्था भी निःशुल्क की गई है। भर्ती किए गए मरीजों के ऑपरेशन कल्याण करोति नेत्र संस्थान, मथुरा में किए जाएंगे। इस शिविर का उद्देश्य ऐसे जरूरतमंद लोगों तक नेत्र चिकित्सा की सुविधा पहुंचाना है, जो आर्थिक कठिनाइयों के कारण समय पर आंखों की जांच और उपचार नहीं करा पाते। विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में मरीजों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया जाएगा। मोतियाबिंद सहित अन्य नेत्र समस्याओं से पीड़ित लोगों को उपचार और ऑपरेशन की सुविधा मिलने से उन्हें काफी राहत मिल सकेगी। आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि वे अपने आसपास रहने वाले जरूरतमंद नेत्र रोगियों को शिविर की जानकारी दें, ताकि अधिक से अधिक लोग इस निःशुल्क चिकित्सा सुविधा का लाभ उठा सकें।

सीडीओ ने ली पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट एवं बाबूजी कल्याण सिंह ग्राम उन्नति योजना की बैठक

संतकबीरनगर के 31 ग्रामीण क्षेत्रों में लगेंगी 312 सोलर स्ट्रीट लाइटें

वेलकम इंडियासंवाददाता



संतकबीरनगर। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी की अध्यक्षता में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना एवं बाबूजी कल्याण सिंह ग्राम उन्नति योजना के अंतर्गत बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। दोनों योजनाओं के तहत जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों, बाजारों और प्रमुख चौराहों पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने के प्रस्तावों को लेकर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के अंतर्गत जनपद के 14 ग्रामीण बाजारों एवं चौराहों पर कुल 142 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इसी प्रकार बाबूजी कल्याण सिंह ग्राम उन्नति योजना के तहत 17 ग्रामों में 170 सोलर स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जाएंगी। इस प्रकार दोनों योजनाओं के माध्यम से जिले के कुल 31 ग्रामीण क्षेत्रों में 312 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाने का प्रस्ताव है। बैठक में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावों से संबंधित सूची अग्रिम कार्यवाही के लिए निदेशक, यूपीनेडा, लखनऊ को भेजी जाएगी। इसके बाद यूपीनेडा, लखनऊ द्वारा निर्धारित नियमों एवं प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रकाश की बेहतर व्यवस्था करने के साथ ही बाजारों और प्रमुख चौराहों को रोशन करने में मदद मिलेगी। सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना से रात के समय आवागमन करने वाले ग्रामीणों, व्यापारियों और राहगीरों को सुविधा मिलेगी। साथ ही सौर ऊर्जा आधारित व्यवस्था होने से बिजली की खपत पर निर्भरता भी कम होगी। इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने में सहायता मिलेगी। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी अरुण कुमार, जनपद के समस्त खंड विकास अधिकारी तथा परियोजना अधिकारी, यूपीनेडा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हत्या के मामले में वांछित अभियुक्ता ने न्यायालय में किया आत्मसमर्पण

वेलकम इंडिया/परवेज अख्तर

संतकबीरनगर। जिले के चर्चित ब्रह्मानंद यादव हत्याकांड में पुलिस की लगातार कार्रवाई के बीच हत्या के मामले में वांछित एक अभियुक्ता ने न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार, लगातार दबिश और गिरफ्तारी के प्रयासों के चलते अभियुक्ता निशा ने 11 नवंबर 2026 को न्यायालय में समर्पण किया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, संतकबीरनगर ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार भेज दिया। इस मामले में पुलिस अब तक नामजद एवं विवेचना के दौरान प्रकाश में आए कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कोतवाली खलीलाबाद पुलिस हत्या के इस मामले में लगातार कार्रवाई कर रही है। अभियुक्ता निशा पत्नी दुर्गेश यादव निवासी भगठान गोसाईपुर, थाना कोतवाली खलीलाबाद के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 890/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 3(5), 190, 191(2), 191(3) एवं 61(2) के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 22 सितंबर 2026 को वादी रमाकान्त यादव पुत्र दयाराम यादव निवासी भगठान गोसाईपुर ने कोतवाली खलीलाबाद में तहरीर देकर बताया था कि उनके भाई ब्रह्मानंद यादव 22 सितंबर को घर से गिढ़नी बाजार जा रहे थे। रास्ते में राकेश यादव के घर के सामने आरोपियों ने उनकी बुलेट मोटरसाइकिल रोक ली।

स्ट्रीट लाइट लगने से ग्रामीणों को अंधेरे से मिली निजात



वेलकम इंडियासंवाददाता

वाराणसी। कछवां रोड स्थित छतेरी मानापुर के निवासियों को आखिरकार रात के अंधेरे और असुरक्षा की समस्या से राहत मिल गई है। गांव में राजमन तिवारी के घर के पास स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य पूरा हो गया है। इस पहल से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है। ग्रामीणों ने इस कार्य के लिए सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र की विधायक प्रतिनिधि अदिति सिंह पटेल का आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर पिछले कई वर्षों से प्रकाश की समुचित व्यवस्था नहीं थी। शाम ढलते ही रास्ते पर अंधेरा छा जाता था, जिससे राहगीरों, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को आवागमन में काफी परेशानी होती थी। अंधेरे के कारण लोगों को चोरी और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती थी। विशेष रूप से रात के समय इस रास्ते से गुजरने वाले लोगों को काफी सतर्कता बरतनी पड़ती थी। स्ट्रीट लाइट लगने के बाद अब मार्ग पर रोशनी की व्यवस्था हो गई है, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और रात के समय असुरक्षा की भावना भी कम होगी। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से इस समस्या के समाधान की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। लाइट लगने से न केवल रास्ता रोशन हुआ है, बल्कि स्थानीय लोगों को भी बड़ी राहत मिली है। ग्रामीणों ने विधायक प्रतिनिधि अदिति सिंह पटेल का धन्यवाद करते हुए उम्मीद जताई कि क्षेत्र में जनसुविधाओं से जुड़ी अन्य समस्याओं का भी इसी तरह समाधान कराया जाएगा। इस दौरान राजमन तिवारी, राजेंद्र चतुर्वेदी, कन्हैया लाल तिवारी, सतीश, पत्रकार संदीप तिवारी, आयुष, नैतिक, राजेश, लल्लू, विनीत, अभिषेक, जयशंकर तिवारी और विनोद कन्नौजिया सहित अन्य स्थानीय लोग मौजूद रहे।

आउटर नॉर्थ जिला पुलिस ने तीन घोषित अपराधियों को दबोचा

एक आरोपी पर 12 आपराधिक मुकदमे दर्ज, एएटीएस की टीम ने तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर की कार्रवाई

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी



नई दिल्ली। आउटर नॉर्थ जिला पुलिस ने फरार और अदालत द्वारा घोषित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) की पीओ स्टाफ टीम ने तकनीकी निगरानी, डिजिटल जानकारी और गुप्त सूचनाओं के आधार पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में एक के खिलाफ 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि अन्य दोनों के आपराधिक रिकॉर्ड में भी कई मुकदमे शामिल हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास उर्फ आशु (26), निवासी सुल्तानपुरी, सचिन (28), निवासी विजय विहार फेज-1 तथा नितिन (38), निवासी नरेला, दिल्ली के रूप में की है। जांच में सामने आया कि विकास उर्फ आशु और सचिन थाना बुध विहार में दर्ज एफआईआर संख्या 311/2024 के मामले में अदालत द्वारा घोषित अपराधी थे। विकास के खिलाफ पहले से 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि सचिन के खिलाफ पांच आपराधिक मामलों का रिकॉर्ड मिला है। वहीं, तीसरे आरोपी नितिन को वर्ष 2018 में थाना मॉडल टाउन में दर्ज चोरी और सेंधमारी के एक मामले में अदालत द्वारा घोषित अपराधी घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार, नितिन के खिलाफ भी छह आपराधिक मामलों में संलिप्तता का रिकॉर्ड है। यह कार्रवाई आउटर नॉर्थ जिला के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त-क लोकश्वरन आर., आईपीएस के मार्गदर्शन और एसीपी ऑपरेशंस दिनेश कुमार की निगरानी में की गई। इंस्पेक्टर आनंद कुमार झा, प्रभारी एएटीएस के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने तकनीकी निगरानी, डिजिटल इंटेलिजेंस और स्थानीय स्तर पर गुप्त सूचनाएं जुटाकर आरोपियों की गतिविधियों का पता लगाया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस अभियान में एएसआई संदीप और हेड कांस्टेबल अभिषेक खत्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, टीम ने लगातार प्रयास और सतर्कता बरतते हुए लंबे समय से फरार चल रहे तीनों घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आउटर नॉर्थ जिला पुलिस ने स्पष्ट किया है कि फरार आरोपियों और अदालत द्वारा घोषित अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस का उद्देश्य ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में लाना और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना है। पुलिस की इस कार्रवाई को फरार एवं घोषित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। अदालत से घोषित अपराधी होने के बावजूद लंबे समय तक गिरफ्तारी से बचने वाले आरोपियों की तलाश में पुलिस की विशेष टीमें लगातार सक्रिय रहती हैं। ऐसे मामलों में आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखने, उनके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाने और तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल करने से पुलिस को कार्रवाई में मदद मिलती है। आउटर नॉर्थ जिला पुलिस की एएटीएस टीम ने भी इसी रणनीति के तहत सूचनाओं का विश्लेषण किया और आरोपियों तक पहुंचने के लिए लगातार प्रयास किए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए तकनीकी निगरानी के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र को मजबूत किया जा रहा है।

फुटबॉल फेस्टिवल में पहुंचीं आरती महेंद्र, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

चंदिया हजारा में स्वामी विवेकानन्द स्पोर्ट्स क्लब की ओर से आयोजित मैत्री टूनार्मेंट में बनीं मुख्य अतिथि

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। 129 विधानसभा पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम चंदिया हजारा में स्वामी विवेकानन्द स्पोर्ट्स क्लब की ओर से विशाल मैत्री फुटबॉल फेस्टिवल टूनार्मेंट आयोजित किया जा रहा है। प्रतियोगिता में क्षेत्र की विभिन्न टीमों के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी क्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं 129 विधानसभा पूरनपुर की पूर्व प्रत्याशी आरती महेंद्र मुख्य अतिथि के रूप में टूनार्मेंट में पहुंचीं। यहां आयोजकों और खेल प्रेमियों ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान आरती महेंद्र ने मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनके खेल के प्रति उत्साह की सराहना की। उन्होंने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए आगामी मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से अनुशासन, टीम भावना, आपसी सहयोग और संघर्ष करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन सराहनीय है। इससे गांवों में छिपी खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलता है। युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे आयोजनों को लगातार बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ मुकाबले में हिस्सा लेने और अपनी प्रतिभा के दम पर क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। स्वामी विवेकानन्द स्पोर्ट्स क्लब की ओर से आयोजित इस फुटबॉल फेस्टिवल को लेकर क्षेत्र के युवाओं और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न टीमों के बीच मुकाबले खेले जा रहे हैं। इस अवसर पर बासुदेव कुंडू, ग्राम प्रधान चंपा देवी, पूर्व प्रधान परमजीत सिंह काका, करमजीत सिंह, अंशु पाण्डेय, सुशांत अधिकारी, कुमुद रंजन, कोमल सरकार, प्रकाश वैद्य, नित्यानंद सरकार, अमोल किशन, सुब्रत सरकार, मनोज सरकार, सुबोध सरकार, मोहन राय, जयंत सिंह और अमित वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मेरठ में उपचार के दौरान घायल नेत्रहीन युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी



कांधला। थाना क्षेत्र के गांव भभीसा में छह नवंबर की शाम सड़क किनारे घायल अवस्था में मिले नेत्रहीन व्यक्ति की मेरठ के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।घायल की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने गांव के ही दो लोगों पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।थाना क्षेत्र के गांव भभीसा निवासी विमला पत्नी महावीर ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसका पुत्र संजय नेत्रहीन है। आरोप है कि विगत छह नवंबर की शाम गांव के ही दो लोग संजय को घर से बुलाकर अपने साथ ले गए थे। कुछ देर बाद संजय गांव में सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा मिला। परिजनों ने उसे उपचार के लिए नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था।मामले में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने भी थाने पहुंचकर हंगामा किया था और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। गुरुवार को मेरठ के अस्पताल में उपचार के दौरान संजय ने दम तोड़ दिया। घायल की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।शव पीएम से आने के बाद परिजनों ने गमगीन माहौल में दाह संस्कार कर दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह का कहना है कि तहरीर मिली है जल्दी मामले में जांच कर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

क्विज प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया विज्ञान का ज्ञान, छवि और हिफजा का प्रदर्शन रहा उत्कृष्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। विश्व विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में समाधान आईएपीटी अन्वेषिका के तत्वावधान में कंपोजिट विद्यालय अशरफ खान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विज्ञान के महत्व, उसके इतिहास और समाज के विकास में वैज्ञानिक सोच की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों की ज्ञानवर्धक गतिविधियों में भागीदारी कराई गई।क्विज प्रतियोगिता का संचालन विद्यालय की प्रधानाध्यापिका यामिनी मिश्रा ने किया। प्रश्नोत्तरी के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि प्रत्येक वर्ष 10 नवंबर को विश्व विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य समाज में विज्ञान की भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा शांति और विकास के लिए विज्ञान को प्रोत्साहित करना है। विद्यार्थियों को जानकारी दी गई कि पहला विश्व विज्ञान दिवस वर्ष 2002 में मनाया गया था। इस दिवस की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की पहल पर हुई थी।कार्यक्रम में विज्ञान से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे गए। बच्चों को बताया गया कि वैज्ञानिकों की जीवनियां पढ़कर, छोटे-छोटे प्रयोग करके तथा विज्ञान प्रदर्शनी और क्विज प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर वैज्ञानिक गतिविधियों से जुड़ा जा सकता है। इस अवसर पर 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' के नारे के माध्यम से विज्ञान और अनुसंधान के महत्व को भी रेखांकित किया गया। प्रतियोगिता में छवि और हिफजा का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा।समन्वयक लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि वर्ष 2026 के विश्व विज्ञान दिवस की थीम 'विज्ञान कूटनीति के माध्यम से साझा आधार' है। इसके माध्यम से वैज्ञानिक सहयोग को देशों के बीच संवाद और आपसी समझ बढ़ाने का जरिया बनाने पर जोर दिया जा रहा है। विज्ञान के क्षेत्र में साझा प्रयासों से वैश्विक चुनौतियों का मिलकर समाधान निकालने का संदेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और विद्यार्थियों में जिज्ञासा व प्रयोगधर्मिता विकसित करने पर जोर दिया गया। आयोजकों ने कहा कि अन्वेषिका का उद्देश्य समाज में वैज्ञानिक सोच और जागरूकता को बढ़ावा देना है।

मदरसे के पास गंदगी का अंबार, चोक नालियों से बीमारियों का खतरा

गोरा गांव में सफाई व्यवस्था बदहाल, बदबू और मच्छरों के प्रकोप से ग्रामीण परेशान

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। गांव गोरा स्थित मदरसा जियाउल उलूम के पास फैली गंदगी और चोक पड़ी नालियों ने स्वच्छता व्यवस्था की हकीकत उजागर कर दी है। मदरसे के आसपास जगह-जगह कूड़े- कचरे के ढेर लगे हैं और नालियों में गंदगी जमा होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। इससे ग्रामीणों के साथ ही मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बदहाल सफाई व्यवस्था के चलते संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है।मदरसे के आसपास नालियों की लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण उनमें कीचड़ और कूड़ा भर गया है। पानी की निकासी बाधित होने से गंदा पानी जमा हो रहा है। इससे उठने वाली दुर्गंध के कारण आसपास रहने वाले लोगों और राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया है। जमा पानी में मच्छरों की संख्या भी बढ़ रही है। ऐसे में डेंगू, मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों के फैलने का खतरा ग्रामीणों को सता रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव में स्वच्छता अभियान चलाने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन मदरसे के आसपास की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। कई बार सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के लिए ग्राम पंचायत और संबंधित जिम्मेदारों से शिकायत किए जाने की बात भी ग्रामीणों ने कही है। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। सबसे अधिक चिंता मदरसे में शिक्षा ग्रहण करने वाले छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर है। बच्चों को रोजाना गंदगी और दुर्गंध के बीच से गुजरना पड़ता है। अभिभावकों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई नहीं कराई गई तो बच्चों और आसपास के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।ग्रामीणों ने प्रशासन और ग्राम पंचायत से मदरसे के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाने, चोक नालियों की तत्काल सफाई कराने, कूड़े का उचित निस्तारण करने तथा मच्छरों से बचाव के लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि स्वच्छता के दावों को धरातल पर उतारने के लिए नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर प्रभात फेरियों से गूंज रहे गुरुवाणी के स्वर

नारायनपुर में राजविंदर सिंह के घर पहुंचा जत्था; संगत ने की सेवा



वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को लेकर ब्लाक रोड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की ओर से प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी 10 नवंबर से प्रभात फेरियों का आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक कार्यक्रम का सिलसिला 24 नवंबर तक चलेगा। गुरुवार को प्रभात फेरी गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ होकर पकड़िया चौराहा, बंडा चौराहा होते हुए नारायणपुर में राजविंदर सिंह के आवास पर पहुंची। यहां भाई गुरमेज सिंह के जत्थे ने शबद-कीर्तन कर संगत को निहाल किया। हेड ग्रंथी भाई जसपाल सिंह ने अरदास की। इसके बाद गुरु का लंगर अटूट बरता गया। प्रभात फेरी में करनैल सिंह, हरदीप सिंह, निर्मल सिंह, पलविंदर सिंह, फतेह सिंह और मंगल सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भाई देविंदर सिंह ढिल्लों का जत्था प्रतिदिन प्रभात फेरी के आगे झाड़ू लगाकर सेवा करता है। हेड ग्रंथी भाई जसपाल सिंह ने बताया कि 10 नवंबर से शुरू हुई प्रभात फेरियां 24 नवंबर तक जारी रहेंगी। इसके बाद दोपहर में गुरुद्वारा साहिब में भव्य दीवान सजाया जाएगा।

सरकारी अस्पताला खुलते ही उमड़ी मरीजों की भीड़, वायरल बुखार और खांसी-जुकाम के मरीज बढ़े



वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कई दिनों की सरकारी छुट्टियां समाप्त होने के बाद गुरुवार को नगर का सरकारी अस्पताल खुलते ही मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अस्पताल की ओपीडी शुरू होते ही इलाज कराने के लिए महिला, पुरुष और बच्चों की लंबी कतारें लग गईं। इस दौरान सबसे अधिक मरीज खांसी, जुकाम और बुखार से पीड़ित दिखाई दिए।बताया गया कि लगातार कई दिनों तक सरकारी अवकाश रहने के कारण मरीज अस्पताल नहीं पहुंच सके थे। गुरुवार को अस्पताल खुलने पर बड़ी संख्या में मरीज उपचार कराने के लिए पहुंचे, जिसके चलते ओपीडी में काफी भीड़ रही। अस्पताल में सुबह से ही मरीजों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।सरकारी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. रजत चौहान ने बताया कि कई दिनों की छुट्टी के बाद अस्पताल खुलने के कारण मरीजों की संख्या अधिक रही। इसके साथ ही मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है, जिसके चलते वायरल बुखार, खांसी और जुकाम के शिकायत वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि मरीजों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। सभी आवश्यक दवाइयां और जांच सुविधाएं अस्पताल में उपलब्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भीड़ में मास्क का प्रयोग करें, हाथों को बार-बार साबुन से धोएं और खांसी-जुकाम के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें।

महिलाओं को मिशन शक्ति और उनके अधिकारों के प्रति किया जागरूक

सरकारी अस्पताल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और मिशन शक्ति टीम ने संयुक्त रूप से आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी



कांधला। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित सभागार में गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शामली और मिशन शक्ति टीम की ओर से संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को मिशन शक्ति अभियान और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। मिशन शक्ति टीम की महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, घरेलू हिंसा या अन्य परेशानी की स्थिति में उन्हें चुप रहने की जरूरत नहीं है। महिलाएं बेझिझक पुलिस और संबंधित विभागों से सहायता प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर उनका इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. रजत चौहान, सेवा विधि प्राधिकरण के चैन पाल सिंह फौजी, महिला कांस्टेबल श्वेता सिंह, गुंजन त्यागी सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा दूरदराज के गांवों से पहुंची आशा वर्कर और संगिनियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। अधिकारियों ने महिलाओं से जागरूक होकर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की।

रत्नेश गंगवार ने शिक्षा और संस्कारों का दिया संदेश

विद्यालय पहुंचकर बच्चों का बढ़ाया मनोबल, मेहनत से लक्ष्य हासिल करने की कही बात

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पीलीभीत। विद्यालय में विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन और शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रत्नेश गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों के लिए टाई-बेल्ट, पहचान पत्र (आई-कार्ड) और डायरी की व्यवस्था की गई थी। मुख्य अतिथि रत्नेश गंगवार ने अपने कर-कमलों से बच्चों को शैक्षिक एवं आवश्यक सामग्री वितरित की। नई सामग्री पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।कार्यक्रम के दौरान रत्नेश गंगवार ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें शिक्षा का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने का सबसे मजबूत आधार शिक्षा है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर रहकर पूरी मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ पढ़ाई करनी चाहिए। कठिन परिस्थितियों से घबराने के बजाय उनका सामना करना चाहिए। निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास के बल पर ही जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।उन्होंने बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहने, बल्कि अच्छे संस्कार अपनाने और अपने माता-पिता तथा शिक्षकों का सम्मान करने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल देश और समाज का भविष्य बनेंगे। ऐसे में बच्चों को बेहतर शिक्षा और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान रत्नेश गंगवार ने विद्यालय के विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान करने के उद्देश्य से सहयोग राशि भी भेंट की। उनके इस सहयोग को बच्चों के प्रोत्साहन और प्रतिभा को निखारने की दिशा में सराहनीय पहल माना गया। विद्यालय परिवार ने मुख्य अतिथि रत्नेश गंगवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के सहयोग और प्रेरणादायक प्रयासों से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है तथा उन्हें बेहतर भविष्य बनाने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण रहा।

दिव्यांग बच्चों की समावेशी शिक्षा को लेकर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

डायट प्राचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह ने बीआरसी पहुंचकर लिया प्रशिक्षण का जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया/परवेज अख्तर





संतकबीरनगर। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को बीआरसी सेमरियावां पर पांच दिवसीय ब्लॉक स्तरीय सामान्य शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण में 80 सहायक अध्यापक प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यक्रम का समापन 16 नवंबर को होगा। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों की जरूरतों, उनकी शैक्षिक चुनौतियों तथा समावेशी शिक्षा की अवधारणा से अवगत कराया जा रहा है। साथ ही दिव्यांग बच्चों के लिए अनुकूल शिक्षण पद्धतियों, पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव, शिक्षण में तकनीकी एवं आईसीटी के प्रयोग, भाषा शिक्षण की सुगमता तथा सहायक शिक्षण सामग्री के उपयोग की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में डायट प्राचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह ने बीआरसी सेमरियावां पहुंचकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षण की गतिविधियों का अवलोकन करते हुए शिक्षकों से प्रशिक्षण के उद्देश्यों एवं विषयवस्तु की जानकारी ली। साथ ही दिव्यांग बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं समान अवसर वाली शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने शिक्षकों से प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को विद्यालयों में प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। प्रशिक्षक धर्मेंद्र कुमार, प्रेम शंकर एवं अमित कुमार द्वारा शिक्षकों को विभिन्न गतिविधियों और उदाहरणों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शिक्षकों को इस योग्य बनाना है कि वे सामान्य बच्चों के साथ दिव्यांग बच्चों को भी समान अवसर देते हुए उनकी क्षमताओं के अनुरूप शिक्षा प्रदान कर सकें। यह प्रशिक्षण बीएसए अमित कुमार सिंह, डायट प्राचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा रजनीश वैद्य तथा खंड शिक्षा अधिकारी सेमरियावां आशीष कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता संवर्धित कर विद्यालयों में समावेशी शिक्षा को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित न रहे।

39 जीटीसी में वीर जवानों के सम्मान में वंदे मातरम समिति ने मनाया दीपावली मिलन समारोह

सैनिकों की वीरता, त्याग और समर्पण को किया नमन, माल्यार्पण व गुलाब की पंखुड़ियों से हुआ भव्य स्वागत, मिठाई और उपहार भेंटकर जवानों के साथ बांटी दीपावली की खुशियां

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह





वाराणसी। देश की सीमाओं की रक्षा में दिन-रात तत्पर रहने वाले भारतीय सेना के वीर जवानों के सम्मान और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से 39 जीटीसी में वंदे मातरम् समिति की ओर से भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व समिति के अध्यक्ष अनूप जायसवाल ने किया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने सैनिकों का माल्यार्पण कर तथा गुलाब की पंखुड़ियों से उनका आत्मीय और भव्य स्वागत किया। जवानों को मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया गया तथा उपहार भेंटकर दीपावली की खुशियां उनके साथ साझा की गईं। समारोह के दौरान पूरा परिसर देशभक्ति, सम्मान, प्रेम और आत्मीयता के भाव से सराबोर नजर आया। सैनिकों और समिति के सदस्यों के बीच उत्साहपूर्ण माहौल रहा। कार्यक्रम में उपस्थित समिति के सदस्यों ने कहा कि दीपावली खुशियों, प्रकाश और आपसी प्रेम का पर्व है, लेकिन देश की सीमाओं पर तैनात सैनिक अपने परिवारों से दूर रहकर राष्ट्र की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। उनके त्याग और समर्पण के कारण ही देशवासी अपने घरों में सुरक्षित वातावरण में त्योहार मना पाते हैं। ऐसे में समाज का यह दायित्व है कि वह देश के रक्षकों के प्रति अपना सम्मान और आभार व्यक्त करे। इसी भावना के साथ समिति द्वारा जवानों के बीच दीपावली मनाने की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष अनूप जायसवाल ने कहा कि वंदे मातरम् समिति विगत कई वर्षों से भारतीय सेना के वीर जवानों के सम्मान में इस विशेष दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन करती आ रही है। इसका मुख्य उद्देश्य उन सैनिकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करना है, जिनकी मुस्तैदी, अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा के कारण देशवासी अपने घरों में सुरक्षित रहकर पर्व और त्योहार मना पाते हैं। उन्होंने कहा कि वास्तव में हमारी दीपावली की खुशियों के पीछे सीमाओं पर तैनात जवानों का त्याग, तपस्या और समर्पण छिपा है। जब पूरा देश दीपों की रोशनी में खुशियां मनाता है, उस समय हमारे सैनिक कठिन परिस्थितियों में भी देश की सुरक्षा के लिए पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। ऐसे वीर जवानों के बीच दीपावली की खुशियां साझा करना समिति के लिए सौभाग्य और गर्व का विषय है। अनूप जायसवाल ने आगे कहा कि सैनिकों के कारण ही हमारा देश सुरक्षित है और हम सभी हर्षोल्लास के साथ अपने पर्व एवं त्योहार मना पाते हैं। जवानों का सम्मान केवल किसी विशेष अवसर या एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके प्रति आदर, कृतज्ञता और सहयोग का भाव जीवनभर बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् समिति भविष्य में भी इसी तरह सैनिकों के बीच पहुंचकर उनके साथ खुशियां साझा करती रहेगी।

संस्था के संरक्षक अशोक चौरसिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वीर जवानों के बीच आकर वह स्वयं को गौरवान्वित और अभिभूत महसूस कर रहे हैं। इन वीर सैनिकों का सम्मान करना उनके लिए अत्यंत हर्ष और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि जो जवान अपने परिवार, घर और व्यक्तिगत खुशियों से दूर रहकर देश की रक्षा में अपना सर्वस्व समर्पित कर देते हैं, उनका सम्मान करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। सैनिकों का त्याग और बलिदान शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उनके साहस और समर्पण के कारण ही देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सैनिकों के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए और उनके योगदान को सदैव याद रखना चाहिए। समारोह के दौरान समिति के सदस्यों ने जवानों को मिठाई और उपहार भेंट किए तथा उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। माल्यार्पण और गुलाब की पंखुड़ियों से स्वागत के दौरान सैनिकों के प्रति सम्मान और अपनत्व का भाव स्पष्ट दिखाई दिया। उपस्थित लोगों ने वीर जवानों के अदम्य साहस, शौर्य, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण को नमन करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखद जीवन और दीर्घायु की कामना की।

ग्लोबल कायस्थ कमेटी ने धूमधाम से मनाया श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव

दूरदर्शन कलाकार अमित श्रीवास्तव ने जटायु मोक्ष पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर बांधा समां

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। महमूरगंज के रघुनाथ नगर स्थित प्राचीन श्रीराम जानकी मंदिर में ग्लोबल कायस्थ कमेटी की ओर से श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्री चित्रगुप्त के साथ मंदिर में स्थापित भगवान लक्ष्मी नारायण, गणेश भगवान, संकट मोचन बाबा, श्रीराम दरबार, मां दुर्गा, गौरा जी, माता पार्वती, श्री राधा-कृष्ण, भगवान कार्तिकेय, माता अन्नपूर्णा और नर्मदेश्वर महादेव का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। पूजन का संपूर्ण अनुष्ठान आचार्य बलराम तिवारी ने संपन्न कराया। धार्मिक आयोजन को लेकर मंदिर को फूल-मालाओं और रंग-बिरंगी रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया था। पूरा मंदिर परिसर फूलों की सुगंध और आकर्षक विद्युत सजावट से जगमगा रहा था। श्रद्धालुओं ने भगवान चित्रगुप्त के चरणों में शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि और समाज के कल्याण की कामना की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान श्री चित्रगुप्त के चरणों में पुष्प अर्पित कर सभी के सुख, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम का संचालन ग्लोबल कायस्थ कमेटी उत्तर प्रदेश के संस्थापक शशिकांत श्रीवास्तव ने किया। वहीं आयोजक मंडल की ओर से दीपेन्द्र श्रीवास्तव एवं राजेश श्रीवास्तव 'गुड्डू' ने संयुक्त रूप से मंच संचालन की जिम्मेदारी निभाई। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का माल्यार्पण कर तथा अंगवस्त्र भेंटकर सम्मान किया गया। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समाज सेवा, शिक्षा, संस्कृति और धर्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को भी सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और समाजसेवियों ने आयोजक मंडल के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने कहा कि प्रतिभाओं को सम्मानित करने का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और समाजहित में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों का उत्साहवर्धन करना है। इस अवसर पर नवनिर्वाचित वाराणसी स्नातक विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने भी अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर पूजनोत्सव में सहभागिता की। आयोजक कमेटी के सदस्यों ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम की शुरूआत मानसी श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत भजन से हुई। उनके भक्तिमय भजन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया और मंदिर परिसर में भक्ति का वातावरण बन गया। इसके बाद अजय कुमार श्रीवास्तव उर्फ चकाचौंध ज्ञानपुरी के संयोजन में भव्य कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें बनारस के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाले कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवयित्री पूनम श्रीवास्तव, विभा शुक्ला तथा कवि जितेन्द्र श्रीवास्तव और टोपी ने अपनी काव्य प्रस्तुतियों से समारोह में साहित्यिक रंग भर दिया। कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से धार्मिक, सामाजिक और समसामयिक विषयों को प्रस्तुत किया।

स्कूल के विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ा, सुरक्षित सड़क पार करने के बताए तरीके

वेलकम इंडिया/मयूर खान



आगरा। यातायात माह-2026 के तहत आगरा यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यातायात निरीक्षक दुष्यंत राणा ने बलकेश्वर रोड स्थित सिटी कान्वेंट स्कूल में विद्यार्थियों को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को यातायात संकेतों की पहचान, सड़क पार करने के सुरक्षित तरीकों और सड़क पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यातायात निरीक्षक ने बच्चों को समझाया कि यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और छोटी-छोटी सावधानियां सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जागरूकता संबंधी पंपलेट भी वितरित किए गए। साथ ही उन्हें प्रेरित किया गया कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिवारजनों एवं आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाएं। आगरा यातायात पुलिस का यह अभियान बच्चों में सुरक्षित यातायात की आदत विकसित करने के साथ ही समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी का भाव मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

यमुना किनारा मार्ग पर यातायात पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान, दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने की दी सीख



वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। यातायात माह नवंबर-2026 के तहत आगरा यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 12 नवंबर को पुलिस उपायुक्त यातायात ज्ञानेन्द्र नाथ प्रसाद के निर्देशन में यमुना किनारा मार्ग पर यातायात निरीक्षक सुनील कुमार ने दोपहिया वाहन चालकों एवं आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने वाहन चालकों और राहगीरों को यातायात नियमों से संबंधित पंपलेट वितरित किए। साथ ही यातायात संकेतों की जानकारी देते हुए हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने और दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की। यातायात निरीक्षक सुनील कुमार ने आमजन को समझाया कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही भी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए प्रत्येक वाहन चालक को अपनी सुरक्षा के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए। यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि यातायात नियमों को अपनी आदत बनाएं, हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में पुलिस का सहयोग करें।

यातायात माह की समीक्षा में सख्त हुए अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल, नियम तोड़ने वालों पर होगी प्रभावी कार्रवाई

वेलकम इंडिया/मयूर खान



आगरा। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आगरा पुलिस ने यातायात माह-2026 के तहत अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल ने 12 नवंबर को पुलिस लाइन्स स्थित कार्यालय में यातायात अधिकारियों के साथ समीक्षा गोष्ठी आयोजित कर अब तक की कार्रवाई का जायजा लिया और आगामी 20 दिनों के लिए स्पष्ट कार्ययोजना निर्धारित की। समीक्षा बैठक में यातायात माह के शुरूआती 10 दिनों में यातायात पुलिस द्वारा की गई प्रवर्तनात्मक कार्रवाई और जागरूकता अभियानों की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिए कि यातायात नियमों के प्रति जागरूकता केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि इसे जनसहभागिता के माध्यम से व्यापक अभियान का रूप दिया जाए। इसके लिए स्कूलों में छात्र-छात्राओं के बीच निबंध एवं कला प्रतियोगिताएं आयोजित कराने और विभिन्न प्रकार के वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगवाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए। शहर के प्रमुख चौराहों, व्यस्त मार्गों और यातायात प्रभावित क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखते हुए जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो। आगामी 21 नवंबर से देवोत्थान एकादशी के बाद शुरू होने वाले वैवाहिक आयोजनों को देखते हुए अपर पुलिस आयुक्त ने एमजी रोड और फतेहाबाद रोड स्थित मैरिज होम संचालकों के साथ समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि शादी समारोहों में आने वाले वाहनों की पार्किंग मैरिज होम परिसर के अंदर अथवा निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही कराई जाए।

मुख्य मार्गों पर बेतरतीब वाहनों की पार्किंग किसी भी सूरत में यातायात बाधित न करे। बैठक में पुलिस उपायुक्त यातायात, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात और यातायात निरीक्षक मौजूद रहे। अपर पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यातायात माह के शेष दिनों में जागरूकता और सख्त कार्रवाई दोनों को समान प्राथमिकता देते हुए शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए।

रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल का दीपावली मिलन 'परंपरा' बना यादगार, संस्कृति और एकता की दिखी झलक

गणेश वंदना, भजन, कव्वाली, रैंप वॉक और लकी ड्रॉ ने बांधा समां, रंग-बिरंगी रोशनी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच परिवारों ने उत्साह से मनाया दीपोत्सव

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। दीपावली के पावन पर्व की खुशियों को साझा करने और भारतीय संस्कृति एवं पारिवारिक परंपराओं को उत्सव के माध्यम से जीवंत करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल की ओर से भव्य पारिवारिक दीपावली मिलन समारोह ह्यपरंपरा : ए सेलिब्रेशन ऑफ ट्रेडिशनह्ल का आयोजन किया गया। महमूरगंज स्थित शगुन लॉन में आयोजित इस समारोह में उमंग, उल्लास, पारिवारिक आत्मीयता और सांस्कृतिक रंगों का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने उपस्थित सदस्यों और उनके परिवारजनों के लिए इस शाम को यादगार बना दिया। रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक सजावट और उत्सव के खुशनुमा माहौल से पूरा परिसर जगमगा उठा। क्लब के सदस्यों ने अपने परिवारों के साथ समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए पर्व की खुशियां साझा कीं। समारोह में भारतीय संस्कृति, पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक उत्सव की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रोशनी से सजे परिसर में प्रवेश करते ही दीपावली के उल्लास का अनुभव हो रहा था। सदस्यों और उनके परिवारों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं, जिससे सभी ने पूरे उत्साह के साथ आयोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में पहुंचने वाले अतिथियों और क्लब सदस्यों का स्वागत क्लब अध्यक्ष डॉ. रितु गर्ग, सचिव रोटेरियन ललित गुप्ता तथा कोषाध्यक्ष रोटेरियन रवि सिंह ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए समारोह में उनकी सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश की वंदना और आरती के साथ हुआ। इसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ। भक्ति गीतों और मधुर भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया, वहीं कव्वाली की प्रस्तुति ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। डांस ग्रुप की आकर्षक प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों के बीच उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में पारंपरिक और आधुनिक रंगों का सुंदर मेल देखने को मिला, जिसने हर आयु वर्ग के लोगों को आकर्षित किया। समारोह का एक प्रमुख आकर्षण आकर्षक रैंप वॉक रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ अपनी प्रस्तुति दी। इसके अलावा रोमांचक लकी ड्रॉ ने भी लोगों की उत्सुकता बढ़ाए रखी। विशाल स्क्रीन पर आतिशबाजी का प्रदर्शन, आकर्षक सेल्फी पॉइंट और भव्य साज-सज्जा ने आयोजन को और खास बना दिया। परिवारों ने एक-दूसरे के साथ तस्वीरें खिंचवाकर इन खुशनुमा पलों को यादों में संजोया। आमंत्रित परिवारों के लिए विशेष उपहारों की व्यवस्था की गई थी। वहीं पारंपरिक स्वादिष्ट व्यंजनों ने मेहमानों के स्वागत और सत्कार को और भी खास बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान हंसी-खुशी, मेल-मिलाप और आपसी सौहार्द का माहौल बना रहा।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष डॉ. रितु गर्ग ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और उत्सव मनाने का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रेम, विश्वास, अपनत्व और रिश्तों में मिठास घोलने का अवसर भी है। दीपों की रोशनी हमें आपसी सद्भाव, सकारात्मकता और एक-दूसरे के जीवन में खुशियां बांटने का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि 'परंपरा' के माध्यम से क्लब ने भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और हमारी समृद्ध परंपराओं को उत्सव के रूप में जीवंत करने का प्रयास किया है। ऐसे आयोजन परिवारों को एक-दूसरे के करीब लाने के साथ ही सामाजिक संबंधों को भी मजबूत बनाते हैं। डॉ. रितु गर्ग ने कहा कि रोटरी केवल सामाजिक सेवा और जनकल्याण का मंच नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा परिवार है, जहां मित्रता, सहयोग, विश्वास और आत्मीयता के रिश्ते निरंतर मजबूत होते हैं। क्लब के सदस्य सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के साथ-साथ पारिवारिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करते हैं। ह्यपरंपराह्ल जैसे आयोजन सदस्यों को एक साथ आने, अपनी खुशियां साझा करने और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

समारोह को भव्य और यादगार बनाने में विशेष आयोजन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति के सदस्य अजय गौतम, संजय गुप्ता, अमित अग्रवाल, सीए सोम दत्त रघु, जीवन खन्ना, मनीष लोहिया एवं सीमा अग्रवाल ने अपनी सक्रिय सहभागिता, समर्पण और बेहतर व्यवस्थापन के माध्यम से आयोजन को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया। सभी ने मिलकर कार्यक्रम की रूपरेखा से लेकर अतिथियों के स्वागत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और अन्य व्यवस्थाओं तक जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। कार्यक्रम की सफलता में क्लब सचिव रोटेरियन ललित कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष रोटेरियन सीए रवि सिंह और क्लब ट्रेनर रोटेरियन मनोज जाजोदिया सहित क्लब के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य किया। समारोह के दौरान आपसी मेल-मिलाप और पारिवारिक सहभागिता ने यह संदेश दिया कि त्योहारों की वास्तविक खुशी केवल भव्य आयोजन में नहीं, बल्कि अपनों के साथ समय बिताने, रिश्तों को मजबूत बनाने और खुशियां बांटने में निहित है।

मोदीनगर के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अनुपम गर्ग की पाँच वर्षों की पीएचडी रिसर्च सफल

सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस के वैज्ञानिक मूल्यांकन और सटीक इलाज हेतु विकसित किए स्क्रीनिंग टूल एवं स्टेज-आधारित इंटीग्रेटेड प्रोटोकॉल

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। शहर के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट, स्पाइन एवं न्यूरो-मस्कुलोस्केलेटल पुनर्वास विशेषज्ञ तथा क्लिनिकल रिसर्चर डॉ. अनुपम गर्ग (पीटी) ने स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के ज्योतिराव फुले सुभारती कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी से सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस एवं आधुनिक स्पाइनल रिहैबिलिटेशन पर अपनी पाँच वर्षों की गहन पीएचडी रिसर्च सफलतापूर्वक पूर्ण कर चिकित्सा जगत में मोदीनगर का मान बढ़ाया है।

इस उपलब्धि के साथ उन्होंने मोदीनगर के प्रथम पीएचडी फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। इसके साथ ही उन्हें ज्योतिराव फुले सुभारती कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी के प्रथम सफल पीएचडी शोधार्थी होने का गौरव भी प्राप्त हुआ है। इस शोध की छह मौलिक रचनाओं को भारत सरकार के कॉपीराइट कार्यालय से बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त हुए, जिनमें द्विभाषी स्क्रीनिंग टूल, इंटीग्रेटेड एक्सरसाइज प्रोटोकॉल, सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस का तीन-अवस्थीय वर्गीकरण मॉडल, अवस्था-विशिष्ट लक्षणों का संकलन, कंप्यूटर प्रोफेशनल्स की कार्यशैली का वर्गीकरण तथा स्टेज-अनुसार लक्षण-विशिष्ट एक्सरसाइज शामिल हैं।

शोध के निष्कर्ष अमेरिका के पबमेड/पबमेड सेंट्रल में सूचीबद्ध विश्वविख्यात मेडिकल रिसर्च जर्नल क्यूरियस (स्प्रिंगर नेचर ग्रुप), वेब ऑफ साइंस में सूचीबद्ध जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च तथा इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी आदि में प्रकाशित हो चुके हैं।

फ्रांस स्थित मैपी रिसर्च ट्रस्ट से अंतरराष्ट्रीय लाइसेंस अनुबंध प्राप्त किया गया, जिसके अंतर्गत गर्दन की कार्यात्मक अक्षमता के सटीक वैज्ञानिक मूल्यांकन हेतु मान्य उपकरण के उपयोग की अनुमति मिली। इसके अतिरिक्त, 26 विशेषज्ञ मूल्यांकनों के माध्यम से स्क्रीनिंग टूल एवं एक्सरसाइज प्रोटोकॉल का वैज्ञानिक परीक्षण एवं कंटेंट वैलिडेशन किया गया। डॉ. गर्ग का यह शोध भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन क्लिनिकल ट्रायल्स रजिस्ट्री-इंडिया में विधिवत पंजीकृत था।

इसी पंजीकरण में आवश्यक एनओसी के आधार पर छत्रपति शिवाजी सुभारती हॉस्पिटल के फिजियोथेरेपी ओपीडी विभाग (मेरठ) और डॉ. गर्ग फिजियोमेडिकल सेंटर (मोदीनगर), दोनों को आधिकारिक शोध स्थलों के रूप में दर्ज किया गया, जहाँ विशेष रिसर्च कैंप आयोजित हुए। 5 नवंबर 2026 को आयोजित अंतिम ओपन डॉक्टोरल डिफेंस में जामिया मिल्लिया इस्लामिया केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सेंटर फॉर फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन साइंसेज की निदेशक एवं वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. जुबिया वकार ने बा' परीक्षक के रूप में थीसिस का गहन मूल्यांकन किया।

वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं पीएचडी शोध निर्देशक प्रो. (डॉ.) जैस्मिन आनंदाबाई के कुशल निर्देशन में संपन्न इस शोध को विशेषज्ञ समिति द्वारा बिना किसी संशोधन के सर्वसम्मति से सफल घोषित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अमित कुमार गोयल सहित वरिष्ठ प्राध्यापक एवं अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

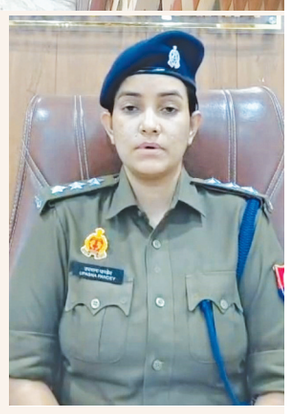
अध्ययन में 120 कंप्यूटर प्रोफेशनल्स शामिल किए गए, जिनमें से 109 ने चार सप्ताह का निर्धारित कार्यक्रम पूरा किया। सेडेंटरी, मोबाइल और हाइब्रिड कार्यशैली के अध्ययन में लंबे समय तक बैठकर काम करने वालों में गर्दन संबंधी कई लक्षण अधिक गंभीर पाए गए तथा अधिकांश लक्षणों और कार्यशैली के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध सामने आया।

चार सप्ताह के इंटीग्रेटेड एक्सरसाइज प्रोटोकॉल के बाद प्रतिभागियों में महत्वपूर्ण सुधार दर्ज हुआ। डॉ. गर्ग के शोध का प्रमुख क्लिनिकल संदेश है कि गर्दन, कंधे, बांह, कमर, जोड़ या नसों से संबंधित दर्द के पीछे अलग-अलग कारण हो सकते हैं; प्रत्येक मरीज की समस्या एक जैसी नहीं होती, इसलिए सभी के लिए एक जैसा उपचार या एक्सरसाइज भी कभी उपयुक्त नहीं हो सकती। केंद्र में विस्तृत न्यूरो-मस्कुलोस्केलेटल तथा बायोमैकेनिकल मूल्यांकन के आधार पर फिजियोथेरेपी इलाज की सही तकनीक और उसकी सुरक्षित मात्रा निर्धारित की जाती है, ताकि मरीजों को मोदीनगर में ही उच्चस्तरीय व प्रमाण-आधारित सेवाएं मिल सकें।

विजय नगर में रिश्तेदारों के बीच खूनी संघर्ष, भारी वस्तु से हमला कर युवक को किया घायल



कपिल चौहान



गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना विजयनगर क्षेत्र के सेक्टर-9 चौकी इलाके में गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे दो रिश्तेदारों के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। इस दौरान विक्की गौतम (34) ने भूरा उर्फ निशांत (30) पर किसी भारी वस्तु से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी विक्की गौतम को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, दोनों व्यक्ति आपस में रिश्तेदार हैं। पीड़ित के परिजनों से तहरीर प्राप्त कर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मौके पर शांति एवं कानून व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

छठ पूजा पर जगमगाएंगे शहर के घाट, शुद्ध गंगाजल से लेकर सुरक्षा तक के होंगे पुख्ता इंतजाम

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। छठ पूजा को लेकर गाजियाबाद नगर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में शहर के प्रमुख छठ घाटों की साफ-सफाई, मरम्मत, रंगाई-पुताई और सौंदर्यीकरण का काम कराया जा रहा है। इस बार पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को शुद्ध गंगाजल, स्वच्छ घाट, स्नानघर, शौचालय और पर्याप्त रोशनी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। हिंडन नदी सहित शहर के करीब 75 से 80 स्थानों पर छठ पूजा की तैयारियां की जा रही हैं। नगर निगम की ओर से हिंडन घाट पर शुद्ध गंगाजल और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पानी की लाइन बिछाई जा रही है। इसके साथ ही घाटों की मरम्मत, रंगाई-पुताई, सफाई और आसपास के क्षेत्रों को व्यवस्थित करने का काम शुरू कर दिया गया है। घाटों पर रंग-बिरंगी लाइटें लगाने के साथ पेड़ों की धुलाई और छंटाई भी कराई जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और आकर्षक वातावरण मिल सके। छठ पूजा की तैयारियों को लेकर नगर निगम के निर्माण, स्वास्थ्य और प्रकाश विभाग को सक्रिय कर दिया गया है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्य समय से पूरे किए जाएं। घाटों पर स्नानघर और शौचालय की व्यवस्था के साथ पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था भी की जाएगी। जरूरत के अनुसार अतिरिक्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पूजा के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी घाटों पर अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी की व्यवस्था की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर नजर रखी जा सके। नगर निगम क्षेत्र में हिंडन नदी के घाट समेत करीब 75 से 80 स्थानों पर छठ पूजा की तैयारियां चल रही हैं। प्रत्येक स्थान पर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेकर आवश्यकतानुसार काम कराया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि घाटों पर साफ-सफाई, पानी और रोशनी की व्यवस्था में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। पूजा से पहले सभी तैयारियों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी छठ पूजा की तैयारियां समय से शुरू करा दी गई हैं। घाटों की मरम्मत, रंगाई-पुताई और साफ-सफाई का काम जल्द पूरा कराया जाएगा।

2027 के रण के लिए भाजपा ने तेज की तैयारी, विधानसभा प्रभारियों का स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को नेहरू नगर स्थित भाजपा महानगर कार्यालय पर नवनियुक्त विधानसभा प्रभारियों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान गाजियाबाद महानगर की तीनों विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारियों के साथ महानगर कार्यकारिणी, मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने की। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि भाजपा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में गाजियाबाद महानगर की तीनों सीटों पर रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज करने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाना सबसे महत्वपूर्ण है। प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम तैयार की जा रही है, जिससे चुनाव में पार्टी की स्थिति और मजबूत हो सके। इस अवसर पर गाजियाबाद विधानसभा प्रभारी मीनाक्षी भराला और मुरादनगर विधानसभा प्रभारी नरेश तोमर ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ संगठन को मजबूत करने में जुट जाएं। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने के साथ बूथ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठनात्मक गतिविधियों और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

मोहिउद्दीनपुर चीनी मिल में नए पेराई सत्र का शुभारंभ, मंत्री सोमेंद्र तोमर ने किया हवन-पूजन

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। मोहिउद्दीनपुर स्थित उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम लिमिटेड की चीनी मिल में बुधवार, 11 नवंबर को नए पेराई सत्र 2026-27 का विधि-विधान के साथ हवन-पूजन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री सोमेंद्र तोमर ने अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ डोंगा चेन में गन्ना डालकर पेराई सत्र की शुरूआत की। कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी जगत सिंह, जिला गन्ना अधिकारी विजय बहादुर सिंह, मोहिउद्दीनपुर समिति के चेयरमैन दीपक राणा, मलियाना समिति के चेयरमैन विजेंद्र प्रमुख, मोदीनगर समिति के चेयरमैन राजकुमार और चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक राजेश कुमार सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री सोमेंद्र तोमर ने कहा कि किसानों के शत-प्रतिशत गन्ने की खरीद और समय से गन्ना मूल्य का भुगतान प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है। जिला गन्ना अधिकारी विजय बहादुर सिंह ने बताया कि पेराई सत्र के दौरान गन्ने की आपूर्ति, खरीद केंद्रों के संचालन और किसानों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए लगातार निगरानी की जाएगी। प्रधान प्रबंधक राजेश कुमार ने किसानों से निर्धारित कैलेंडर और पर्ची के अनुसार स्वच्छ एवं ताजा गन्ना चीनी मिल में आपूर्ति करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे खरीद व्यवस्था सुचारु बनी रहेगी और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। चीनी मिल का पेराई सत्र समय से शुरू होने पर किसानों में काफी उत्साह दिखाई दिया। किसानों ने कहा कि समय से गन्ने की आपूर्ति होने से खेत खाली हो सकेंगे और गेहूं की बुवाई करने में भी आसानी होगी। इससे किसानों को आगामी कृषि कार्यों की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। बताया गया कि चीनी मिल के सभी 32 बा' गन्ना क्रय केंद्रों पर तौल कार्य भी शुरू हो चुका है।

किशोरी के अपहरण का प्रयास,लोगों के शोर मचाने पर आरोपी फरार

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में नाबालिग किशोरी को गाड़ी में खींचने के प्रयास का मामला सामने आया है। किशोरी ने आरोप लगाया कि एक युवक काफी समय से उसका पीछा कर रहा है। जब भी वह कॉलेज जाती है तो आरोपी उसका पीछा करता है। बुधवार को आरोपी ने हद पार कर दी। किशोरी जब किसी काम से अपने घर के बाहर निकली तो उसे गाड़ी में खींचने का प्रयास किया गया। किशोरी के मुताबिक, आरोपी की इस हरकत से वह घबरा गई और किसी तरह खुद को बचाकर वहां से भाग निकली। इसके बाद वह सुरक्षित अपने घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। किशोरी की आपबीती सुनकर परिवार के लोग भी परेशान हो गए।

मामले को गंभीरता से लेते हुए परिजन किशोरी को लेकर मोदीनगर थाने पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस को लिखित तहरीर देकर पूरे मामले की जानकारी दी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। परिजनों का आरोप है कि किशोरी का लगातार पीछा किया जा रहा था और अब उसे जबरन गाड़ी में खींचने का प्रयास किया गया। नाबालिग से जुड़े इस मामले को लेकर परिवार ने पुलिस से सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने की अपेक्षा की जा रही है।

मोदी कॉलेज में मतदाता जागरूकता अभियान का किया आयोजन

इलेक्ट्रॉन लिटरेसी क्लब का उद्देश्य छात्रों को मताधिकार के अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी प्रदान करना है: डॉ एस सी अग्रवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज, मोदीनगर में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों को मतदान के महत्व, उनके लोकतांत्रिक अधिकारों एवं मतदाता के रूप में उनकी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया तथा मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। छात्रों को विस्तार से मतदान की प्रक्रिया जिनकी आयु 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूर्ण हो गई है उनका फॉर्म 6 भरकर बी एल ओ के पास जमा करने के लिए जागरूक किया गया आज विद्यालय में ऐसे छात्रों को चिन्हित किया गया जिनकी आयु 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष हो जाएगी ऐसे 45 छात्र चिन्हित किए गए उनका फॉर्म 6 भरने के लिए प्रेरित किया गया जिनमें से 24छात्रों ने बताया कि उन्होंने फॉर्म से भरकर जमा कर दिया है इस 21 छात्रों के फॉर्म विद्यालय प्रशासन ने भरवा कर तहसील में जमा कर दिए हैं मतदाता साक्षरता क्लब के सदस्य छात्रों को बताया गया कि आप अपने-अपने वार्डों गांव , मोहल्लों में जाकर कुछ घरों का सर्वे करेंगे जिन घरों में जिन युवाओं की आयु 1 जनवरी 2027 तक 18 वर्ष पूर्ण हो रही हो उनको फॉर्म 6 भरवा कर उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज करने के लिए उन्हें प्रेरित करेंगे इसका सभी छात्रों ने संकल्प लिया। सभी छात्रों को एक-एक वोट की कीमत उसका महत्व के विषय में बताया प्रतीक नागरिक को मतदान में अवश्य भाग लेना चाहिए मतदान करना हमारा कर्तव्य है लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होती है जो इसके लिए पात्र है मतदाता बनने से वंचित नहीं रहना चाहिए इसका सभी शिक्षकों छात्रों ने संकल्प भी लिया समाज को जागरूक करने के लिए भी संकल्प लिया। इस अवसर पर चुनावी चुनाव साक्षरता क्लब के कोऑर्डिनेटर श्री महानंद सिंह वह विद्यालय के प्रशासन अधिकारी श्री राजकुमार सिंह श्री प्रवीण जैन वाजपेई श्री अनिल कुमार आदी उपस्थित थे।

हैंडल बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग, तीन दमकल गाडियों ने पाया काबू

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। साउथ साइड जीटी रोड औद्योगिक क्षेत्र स्थित हार्डवेयर जोन में बृहस्पतिवार सुबह हैंडल बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। फैक्ट्री की ऊपरी मंजिल पर बने कमरे से आग की लपटें उठीं और देखते ही देखते छत पर लगे एसी व अन्य उपकरणों तक पहुंच गईं। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की तीन गाडि ां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी सौरभ सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह 7:57 बजे कोतवाली अग्निशमन केंद्र को सीपी सेंचुरी के पास स्थित ए-4/3/22 में हैंडल बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में तीन दमकल गाडि ों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचने पर दमकलकर्मियों ने देखा कि फैक्ट्री की ऊपरी मंजिल पर बने एक कमरे में आग लगी हुई थी। आग की लपटें छत पर लगे एसी और अन्य उपकरणों तक पहुंच चुकी थीं। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकलकर्मियों ने चार अग्निशमन पाइप की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। तत्परता और सूझबूझ से कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। दमकलकर्मियों ने आग को आसपास की फैक्ट्रियों तक फैलने से रोक दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस के साथ फैक्ट्री कर्मचारी और मालिक अरुण कुमार भी मौजूद रहे। सीएफओ के मुताबिक, समय रहते आग पर काबू पा लेने से कोई जनहानि नहीं हुई।

रोने पर नौ माह के मासूम का गला घोंटकर की थी हत्या

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र के बयाना गांव में नौ माह के मासूम की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बच्चे की मौत को बीमारी बताकर उसका शव दफना दिया गया था, लेकिन मां को अपने पति पर शक हुआ और उसने पुलिस से शिकायत कर दी। इसके बाद कब्र से शव निकलवाकर पोस्टमार्टम कराया गया। बुधवार को आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि मासूम की मौत बीमारी से नहीं, बल्कि गला घोंटने से हुई थी। पुलिस की शुरूआती जांच में बच्चे के पिता अभिषेक पर हत्या का आरोप सामने आया है। बताया जा रहा है कि बच्चे के लगातार रोने से परेशान होकर उसने इस वारदात को अंजाम दिया। परिवार के लिए यह बच्चा बेहद खास था। बताया गया कि शादी के चार साल बाद मासूम का जन्म हुआ था। दंपती ने संतान के लिए लंबे समय तक मन्नतें मांगी थीं। ऐसे में नौ माह के बच्चे की मौत ने परिवार को झकझोर दिया। सोमवार को पुलिस की पीआरवी को सूचना मिली थी कि बयाना गांव में नौ माह के बच्चे की मौत हो गई है। पुलिस मौके पर पहुंची तो परिजन बच्चे के शव को दफना चुके थे। इसी दौरान बच्चे की मां प्रियंका ने अपने पति अभिषेक पर हत्या का शक जताते हुए लिखित शिकायत दी। उसने आरोप लगाया कि रोने से परेशान होकर अभिषेक ने बच्चे का गला घोंट दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने मंगलवार को मजिस्ट्रेट की निगरानी में बच्चे का शव कब्र से बाहर निकलवाया। पोस्टमार्टम के लिए चिकित्सकों का पैनल गठित किया गया और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई। बुधवार को रिपोर्ट आने के बाद बच्चे की मौत की असली वजह सामने आ गई। रिपोर्ट में गला दबाने से मौत होने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पिता से सख्ती से पूछताछ शुरू की।

यशोदा मेडिसिटी की हाफ मैराथन 4.0 का शुभारंभ, टी-शर्ट और मेडल लॉन्च

22 नवंबर को होगा 'Run for Your Heart' हाफ मैराथन का आयोजन, नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील







कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। यशोदा मेडिसिटी, इंदिरापुरम, साहिबाबाद की ओर से आगामी 22 नवंबर को आयोजित होने वाली हाफ मैराथन 4.0 'Run for Your Heart' के लॉन्च कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मैराथन की आधिकारिक टी-शर्ट एवं मेडल का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया।

इस पहल का उद्देश्य हृदय रोगों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के साथ युवाओं और आम नागरिकों को नियमित व्यायाम एवं फिटनेस के प्रति प्रोत्साहित करना है। आयोजकों ने कहा कि स्वस्थ हृदय और बेहतर जीवनशैली के लिए शारीरिक गतिविधियां बेहद जरूरी हैं।

इस अवसर पर साहिबाबाद और गाजियाबाद के नागरिकों एवं युवाओं से 22 नवंबर को आयोजित होने वाली हाफ मैराथन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई।

ओबीसी मोर्चा की क्षेत्रीय टीम में गाजियाबाद के छह कार्यकर्ताओं को मिली जिम्मेदारी

मयंक गोयल का पगड़ी पहनाकर किया सम्मान, नवनियुक्त पदाधिकारियों को दी बधाई















वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भाजपा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा की नवनियुक्त क्षेत्रीय टीम में गाजियाबाद के छह कार्यकताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलने पर पार्टी कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल का नवनियुक्त क्षेत्रीय महामंत्री देवेंद्र गिरी एवं पार्षद प्रदीप चौधरी ने पगड़ी पहनाकर सम्मान किया और संगठन में गाजियाबाद के कार्यकताओं को प्रतिनिधित्व देने के लिए आभार व्यक्त किया। ओबीसी मोर्चा की नई क्षेत्रीय टीम में देवेंद्र गिरी को क्षेत्रीय महामंत्री, मनोज यादव एवं राजू पांचाल को क्षेत्रीय मंत्री, वीरेंद्र (बब्बल) यादव को शोध प्रमुख तथा प्रवीण भाटी एवं शिल्पा चौधरी को क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन नियुक्तियों को लेकर कार्यकताओं ने खुशी जाहिर की। देवेंद्र गिरी को क्षेत्रीय महामंत्री बनाए जाने पर खोड़ा क्षेत्र के कार्यकताओं ने भी महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल का गर्मजोशी से स्वागत किया और पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन में समर्पित, कर्मठ और सक्रिय कार्यकताओं को जिम्मेदारी देना भाजपा की कार्यकर्ता आधारित संगठनात्मक परंपरा का प्रमाण है। गाजियाबाद के छह कार्यकताओं को क्षेत्रीय टीम में स्थान मिलने से संगठन को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा संगठन की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पार्षद प्रदीप चौधरी ने क्षेत्रीय महामंत्री देवेंद्र गिरी सहित सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गाजियाबाद के छह कार्यकताओं को ओबीसी मोर्चा की क्षेत्रीय टीम में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलना पूरे महानगर के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने इसके लिए भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, ओबीसी मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सुनील भाटी, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल तथा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी पदाधिकारी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सक्रियता से कार्य करेंगे। इस अवसर पर बलराम रावल, ललित जायसवाल, राजेश शर्मा, रवि लोधी, रणधीर चौधरी, खुर्शीद सलमानी, वीरेंद्र गिरी, आदर्श गोस्वामी एवं राजू नागर सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए 17 नवंबर से महाअभियान, डीएम ने बीएलओ को दिए चार मंत्र

18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को मिलेगा मतदाता बनने का मौका, लापरवाही पर होगी कार्रवाई







वेलकम इंडिया संवाददाता

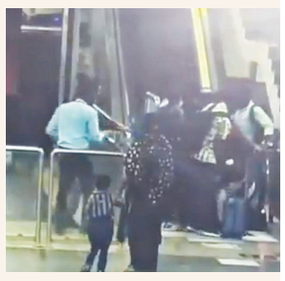
गाजियाबाद। मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए जिले में 17 से 30 नवंबर तक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने बीएलओ और सुपरवाइजर्स को पूरी गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहे।

एक जनवरी 2027 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं का नाम सूची में अनिवार्य रूप से जोड़ा जाए। डीएम ने बीएलओ को चार मंत्र देते हुए ऐप का सही संचालन, रजिस्टर में शत-प्रतिशत प्रविष्टियां, प्रतिदिन 50 घरों तक पहुंचने और समयसीमा में पारदर्शिता से कार्य पूरा करने को कहा। अभियान के विशेष दिवस 21, 22, 28 और 29 नवंबर को बीएलओ बूथों पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्वाचन कार्य में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।

एस्केलेटर में फंसा बुजुर्ग का कुर्ता, मची अफरा-तफरी

UPSSF जवानों ने सूझबूझ से बचाई कई यात्रियों की जान





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। परी चौक मेट्रो स्टेशन पर UPSSF जवानों की सतर्कता और सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। एस्केलेटर में कुर्ता फंसने से 62 वर्षीय बुजुर्ग संतुलन बिगड़ने के कारण गिर पड़े। इस दौरान पीछे से आ रहे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों के चोटिल होने का खतरा पैदा हो गया। मौके पर तैनात आरक्षी विकास भाटी और उपनिरीक्षक वरुण कुमार ने तत्काल स्थिति को भांपते हुए एस्केलेटर बंद कराया और उसे विपरीत दिशा में चलवाकर बुजुर्ग समेत अन्य यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलवाया। जवानों की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया और कई यात्रियों की जान बच गई। घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। UPSSF के अधिकारियों ने आरक्षी विकास भाटी की तत्परता और साहसिक कार्य की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

सीपी सेंचुरी के पास हैंडल फैक्ट्री में लगी भीषण आग, दमकल की तीन गाड़ियों ने पाया काबू

त्वरित कार्रवाई से टला बड़ा हादसा, आसपास की फैक्ट्रियों को आग की चपेट में आने से बचाया, कोई जनहानि नहीं







वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार सुबह हैंडल बनाने वाली एक फैक्ट्री में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। त्वरित कार्रवाई के चलते आग आसपास की फैक्ट्रियों तक नहीं फैल सकी और बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, 12 नवंबर को सुबह 7:57 बजे फायर स्टेशन कोतवाली को सीपी सेंचुरी के पास हार्डवेयर जोन स्थित ए-4/3/22, साउथ साइड ऑफ जीटी रोड, इंडस्ट्रियल एरिया की हैंडल फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। अग्निशमन अधिकारी कोतवाली के नेतृत्व में तीन फायर टेंडर तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। जांच में पता चला कि फैक्ट्री के ऊपरी तल पर बने एक कमरे में आग लगी थी, जिसकी लपटें छत पर लगे एसी और अन्य उपकरणों तक पहुंच गई थीं।

दमकल कर्मियों ने चार होज पाइप की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया और कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। साथ ही आसपास की फैक्ट्रियों को भी सुरक्षित बचा लिया गया। मौके पर स्थानीय पुलिस, फैक्ट्री कर्मचारी और मालिक अरुण कुमार मौजूद रहे। अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

छठ व्रतियों को जीडीए का तोहफा, कोयल एनक्लेव में तैयार हुए चार घाट श्रद्धालुओं को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने कोयल एनक्लेव योजना में करीब 1.20 करोड़ रुपये की लागत से चार छठ घाटों का निर्माण एवं विकास कराया है। प्राधिकरण की इस पहल से पूर्वांचल और बिहार सहित विभिन्न क्षेत्रों से आकर गाजियाबाद में रहने वाले परिवारों को छठ पूजा और सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। जीडीए उपाध्यक्ष के निर्देशों पर विकसित किए गए इन घाटों में आकर्षक स्टोन वर्क और सौंदर्यीकरण कराया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, आकर्षक लाइटिंग, महिला एवं पुरुषों के लिए चेंजिंग रूम और अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था की गई है। वहीं, छठ पर्व के दौरान उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। इसके अलावा अन्य आवश्यक जनसुविधाएं भी विकसित की गई हैं, ताकि व्रतियों को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। जीडीए की इस पहल से कोयल एनक्लेव के साथ आसपास के क्षेत्रों के लोगों को भी लाभ मिलेगा। प्राधिकरण का कहना है कि शहरवासियों को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के निर्वहन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उसकी प्राथमिकता है।

इंदिरापुरम पुलिस का एक्शन, लूट की योजना बनाते एक बदमाश गिरफ्तार, मोबाइल स्नैचर भी दबोचा

ऑटो और अवैध तमंचा-कारतूस बरामद, मोबाइल स्नैचिंग का फोन भी मिला





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम थाना पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पहली कार्रवाई में पुलिस ने एलिवेटेड रोड के नीचे पिलर नंबर-120 के पास लूट और चोरी की योजना बना रहे नोमान (30) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस और ऑटो बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, ऑटो में मौजूद उसके तीन साथी वकील, तालिब और अमन मौके से फरार हो गए। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

वहीं, दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग के आरोपी उत्कर्ष (23) निवासी शाहदरा, दिल्ली को गिरफ्तार किया। आरोपी ने अपने साथी के साथ नीतिखंड-3 निवासी अरविंद कुमार सिंह का मोबाइल फोन छीन लिया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, मैनुअल इनपुट और मुखबिर की सूचना के आधार पर उसे यशोदा अस्पताल से हिंडन नदी की ओर जाने वाले मार्ग पर ग्रीन बेल्ट के पास से दबोच लिया।

उसके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन बरामद हुआ। पुलिस फरार साथी पुनीत की तलाश में जुटी है। दोनों मामलों में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

338 एक्यूआई के साथ देश का पांचवां सबसे प्रदूषित शहर बना गाजियाबाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। गाजियाबाद की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है। बृहस्पतिवार को शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 338 दर्ज किया गया। इसके साथ ही गाजियाबाद देश के 288 शहरों में पांचवां सबसे प्रदूषित शहर रहा। जिले में संजय नगर की स्थिति सबसे खराब रही, जहां एक्यूआई 373 तक पहुंच गया। आसमान में छाई धुंध और धुएं की मोटी परत के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। आंखों में जलन और गले में खराश की शिकायतें भी बढ़ रही हैं। इसके बावजूद प्रदूषण नियंत्रण के लिए लागू तीसरे चरण के ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। वसुंधरा सेक्टर-15 में नगर निगम की ओर से सड़क किनारे खोदाई कर पाइपलाइन डाली जा रही है। खोदाई से निकली मिट्टी को सड़क किनारे खुले में छोड़ दिया गया है। इसे ढकने तक की व्यवस्था नहीं की गई। सड़क से गुजरने वाले वाहनों की हवा से मिट्टी उड़कर आसपास के इलाकों में फैल रही है। वहीं, वसुंधरा सेक्टर-14 और 15 में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। जीआरएपी के तीसरे चरण में सड़कों पर धूल और कूड़ा जमा नहीं होने देने के निर्देश हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका पालन होता नजर नहीं आ रहा है। वसुंधरा सेक्टर-15 निवासी संदीप गुप्ता ने इस संबंध में जिलाधिकारी और नगर निगम को इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है। प्रदूषण की समस्या केवल वसुंधरा तक सीमित नहीं है। इंदिरापुरम, वैशाली, कौशांबी, साहिबाबाद, मोहननगर और भोपुरा समेत शहर के अधिकांश इलाकों में धूल और कूड़े की समस्या बनी हुई है।

RPF जवानों की दरियादिली, दिव्यांग महिला और बुजुर्ग को पहुंचाया सुरक्षित ट्रेन तक





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक दिव्यांग महिला और बुजुर्ग यात्री की मदद कर सराहनीय कार्य किया। आरपीएफ कर्मियों ने दोनों यात्रियों की परेशानी को समझते हुए उन्हें सुरक्षित ट्रेन में बैठाकर उनकी यात्रा आसान बनाई। जानकारी के अनुसार, उप निरीक्षक सुभाष के कुशल मार्गदर्शन में आरपीएफ आउट पोस्ट कानपुर (लखनऊ मंडल) के नेतृत्व में महिला कांस्टेबल मोनिका (मुरादाबाद मंडल) ने पैरों से दिव्यांग महिला यात्री की सहायता की। वहीं, गाजियाबाद पोस्ट पर तैनात हेड कांस्टेबल होशियार सिंह ने बुजुर्ग यात्री को आवश्यक सहयोग प्रदान किया। दोनों आरपीएफ कर्मियों ने यात्रियों को सीढ़ियों के रास्ते सुरक्षित चढ़ाकर ट्रेन संख्या 12420 में सकुशल बैठाया।

आजम खान को यूनिवर्सिटी बनाने और मुस्लिम होने की मिल रही सजा: शिवपाल यादव

डासना जेल में आजम खान से मिले सपा नेता, बोले- लगातार किया जा रहा उत्पीड़न, अब न्यायालय से ही उम्मीद







कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव गुरुवार को अपने समर्थकों के साथ गाजियाबाद की डासना जेल पहुंचे। यहां उन्होंने जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता आजम खान से मुलाकात की। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में शिवपाल यादव ने आरोप लगाया कि आजम खान का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है और उनके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज किए गए हैं। उन्हें यूनिवर्सिटी बनाने और मुस्लिम होने की सजा दी जा रही है। अब उन्हें न्यायालय से ही न्याय की उम्मीद है।

शिवपाल यादव ने कहा कि आजम खान सपा के साथ थे, हैं और आगे भी रहेंगे। आजम खान चाहते हैं कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बने। उन्होंने जेल में आजम खान को उचित प्रोटोकॉल नहीं दिए जाने पर भी नाराजगी जताई। शिवपाल ने कहा कि आजम खान दस बार विधायक और दो बार सांसद रहे हैं, इसके बावजूद उनसे जाली के माध्यम से मुलाकात कराई गई। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर जेलों में जाली से मुलाकात कराने की व्यवस्था समाप्त की जाएगी।

कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि सपा का कांग्रेस के साथ गठबंधन है और आगे भी रहेगा। वहीं चंद्रशेखर और असदुद्दीन ओवैसी के गठबंधन की संभावनाओं पर तंज कसते हुए कहा कि ये लोग नहीं चाहते कि भाजपा सत्ता से हटे। हालांकि शिवपाल ने आजम खान के साथ हुई सियासी बातचीत और उनके स्वास्थ्य को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की।

अज्ञात वाहन की टक्कर से सिक्योरिटी गार्ड की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र में बहरामपुर अंडरपास के पास बुधवार देर रात सड़क हादसे में बाइक सवार सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई। वह दिल्ली में ड्यूटी खत्म कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस उन्हें तत्काल एमएमजी अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान छपरौला निवासी मुकेश यादव के रूप में हुई है। वह मूलरूप से बुलंदशहर के सिकंदराबाद थाना क्षेत्र के सिरोधन गांव के रहने वाले थे। मुकेश दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्थित मैसर्स दिनेश कुमार यादव सिक्योरिटी एजेंसी में गार्ड की नौकरी करते थे। बुधवार रात करीब साढ़े दस बजे वह ड्यूटी समाप्त कर बाइक से घर लौट रहे थे। बताया गया कि बहरामपुर अंडरपास के पास पहुंचते ही किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मुकेश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों से सूचना मिलने पर पीआरवी और विजयनगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मी उन्हें लेकर एमएमजी अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी हालत काफी गंभीर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।